सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

पेज 7 में ⏩ धनुष के साथ शादी की खबरों पर ....

✦ वर्ष -01 ✦ अंक- 05 ✦ दुर्ग, सोमवार 19 जनवरी 2026 ✦ ✦ पृष्ठ- 08 ✦ मूल्य- 2 रुपए ✦ संपादक- अलोक तिवारी ✦ PRGI Reg No : CTHIN/25/A3746

न्यूज Window

दिल्ली से बागडोगरा जा रहे विमान को बम से उड़ाने की धमकी, लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ । दिल्ली से बागडोगरा जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में बम होने की सूचना से रविवार को हड़कंप मच गया। विमान संख्या 6ई 6650 को एहतियातन लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियां और एयरलाइंस प्रबंधन अलर्ट मोड पर आ गए। जानकारी के अनुसार इंडिगो का यह विमान दिल्ली से बागडोगरा के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के दौरान विमान में बम होने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारने का निर्णय लिया गया। विमान के लखनऊ पहुंचते ही रनवे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को चारों ओर से घेर लिया। बम निरोधक दस्ता, सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंच गई। सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित तरीके से विमान से बाहर निकाला गया। यात्रियों की बारीकी से स्कैनिंग की गई और उनके सामान की भी जांच शुरू की गई। जांच प्रक्रिया के दौरान एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित रखा। यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर बैठाया गया और उन्हें किसी भी तरह की घबराहट न फैलाने की अपील की गई। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। बम निरोधक दस्ते और सीआईएसएफ टीम ने विमान के अंदर और बाहर सघन तलाशी अभियान चलाया। सीटों, लगेज कंपार्टमेंट, कॉकपिट और कार्गो एरिया की गहन जांच की गई।

पंजाब के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, बार्डर पर बेरोकटोक खेती का रास्ता होगा साफ- सीएम भगवंत

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और पंजाब से संबंधित विभिन्न लंबित मुद्दों के जल्द और समयबद्ध समाधान के लिए विचार-विमर्श किया, जिनमें सीमावर्ती सुरक्षा प्रबंध, कृषि संकट, अंतरराज्यीय पानी संबंधी विवाद और केंद्र द्वारा ग्रामीण विकास फंड के बकाए की अदायगी में देरी शामिल है। इसके साथ ही सीमावर्ती सुरक्षा दीवार जीरो लाइन से काफी दूर होने के कारण किसानों को पेश मुश्किलों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और कंटीली तार के बीच पड़ने वाली कृषि योग्य भूमि के बड़े हिस्से पर चिंता व्यक्त की, जिसके कारण किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने के लिए रोजाना इसे पार करना पड़ता है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित बीज बिल 2025, अनसुलझे सतलुज यमुना लिंक (एस.वाई.एल) विवाद, एफ.सी.आई. द्वारा अनाज की धीमी ढुलाई, आढ़तिया कमीशन रोकने, ग्रामीण विकास फंड (आर.डी.एफ.) और मार्केट फीसों का भुगतान न करने और चंडीगढ़ प्रशासन में पंजाब की भूमिका को घटाने संबंधी पंजाब के एतराज उठाते हुए इन मुद्दों के तुरंत और समयबद्ध समाधान की मांग की।

मणिकर्णिका घाट पर एआई तस्वीरों और गुमराह करने वाले दावों पर एक्शन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर चल रहे रीडेवलपमेंट काम से जुड़ी कथित एआई-जेनरेटेड तस्वीरों और गुमराह करने वाले दावों के सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद 8 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये मामले तब दर्ज किए गए जब कथित तौर पर मनगढ़ंत वीडियो और पोस्ट ऑनलाइन सर्कुलेट होने लगे और उन पर काफी ध्यान गया और उनकी आलोचना हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एफआईआर में 8 लोगों के साथ-साथ कुछ एक्स हैंडल को भी टारगेट किया गया है, जिन पर मणिकर्णिका घाट पर चल रहे सौंदर्यीकरण के काम के बारे में झूठे वीडियो और गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, मणिकर्णिका घाट पर चल रहे रीडेवलपमेंट के काम के तथ्यों के विपरीत मनगढ़ंत तस्वीरें और गुमराह करने वाला कंटेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया गया था।

सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएः मुख्यमंत्री साय

सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं

सूरजपुर में शासकीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा

■ रायपुर (नई दृष्टिबिंदु)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन अधिकारी-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसके लिए अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और सेवाभाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला अधिकारी मैदानी स्तर पर भ्रमण करें और योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें सभी फील्ड स्तर के अधिकारी अपने मुख्यालय में रहें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कल सूरजपुर जिले में विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों की क्रियान्वयन की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्टर को चाँदनी बिहारपुर जैसे दूरस्थ अंचलों में बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव बना कर भेजने के निर्देश दिए ताकि उन स्थानो पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सके। उन्होंने बैठक में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की समीक्षा में कहा कि किसानों को धान खरीदी केन्द्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। किसानों को धान बेचने किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली बिल योजना के बेहतर क्रियान्वयन, सड़कों का गुणवत्तायुक्त तथा समय-सीमा में पूर्ण करने और स्वास्थ्य अमले को अस्पतालों में सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर कलेक्टर एस.जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

स्वर्गीय ताराचंद साहू का सपना छत्तीसगढ़ की खुशहाली और गांवों की तरक्की था, जो आज साकार हो रहा है- उप मुख्यमंत्री साव

स्व. ताराचंद साहू स्मृति सम्मान समारोह में 36 रत्न हुए सम्मानित

■ दुर्ग (नई दृष्टिबिंदु)

दुर्ग संभाग स्तरीय साहू सम्मेलन एवं स्वर्गीय ताराचंद साहू स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन आज गरिमामय वातावरण में रविशंकर स्टेडियम मानस भवन में किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री साव ने समाज सेवा, शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभिन्न समाजों के 36 रत्नों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि स्वर्गीय ताराचंद साहू एक कुशल संगठनकर्ता और जननेता थे, जो सभी समाजों को साथ लेकर चलने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने अपने आचरण और व्यक्तित्व से समाज और राजनीति में अलग पहचान बनाई। उनका निधन 11 नवंबर 2012 को हुआ। आज उनके बताए मार्ग पर आज समाज आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय ताराचंद साहू के बाद उनके पुत्र दीपक ताराचंद साहू समाज को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेकर समाज और राजनीति दोनों क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय ताराचंद साहू का सपना छत्तीसगढ़ की खुशहाली और गांवों की तरक्की था, जो आज साकार हो रहा है। छत्तीसगढ़ के विकास में सबका साथ, सबका विकास की भावना से कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव की मांग पर स्वर्गीय ताराचंद साहू की प्रतिमा स्थापना के लिए 40 लाख रुपये देने की घोषणा की। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि यह सम्मान समारोह स्वर्गीय ताराचंद साहू की स्मृति में आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक समाजों में होने वाले परिचय सम्मेलन हमारे पुरोधा स्वर्गीय ताराचंद साहू की देन हैं।

विदेशी साजिश का आरोप क्यों लगा रहा है तेहरान?

ईरान के हिंसक प्रदर्शनों में 5000 लोगों की मौत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में जारी हिंसक प्रदर्शनों ने देश को हिला कर रख दिया है। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, देशभर में हुए प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 5000 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में करीब 500 सुरक्षाकर्मी भी शामिल बताए गए हैं। सरकार ने आरोप लगाया है कि इन घटनाओं के पीछे आतंकवादी और हथियारबंद दंगाई हैं, जिन्होंने आम नागरिकों को निशाना बनाया।

ईरानी अधिकारी के अनुसार, ये प्रदर्शन 28 दिसंबर को आर्थिक बदहाली, महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में शुरू हुए थे। शुरुआत में लोग रोजमर्रा की परेशानियों को लेकर सड़कों पर उतरे थे। लेकिन दो हफ्तों के भीतर हालात तेजी से बिगड़ गए और आंदोलन ने राजनीतिक रूप ले लिया। कई शहरों में सरकार विरोधी नारे लगे और धार्मिक शासन को खत्म करने की मांग उठने लगी।

अधिकारियों का कहना है कि अब तक सामने आए मौत के आंकड़े पूरी तरह से सत्यापित हैं। सरकार का दावा है कि अंतिम मृतक संख्या में बहुत ज्यादा इजाफा होने की संभावना नहीं है। प्रशासन का कहना है कि कई जगहों पर हिंसा इस हद तक बढ़ गई कि हालात काबू से बाहर हो गए और सुरक्षाबलों को सख्त कदम उठाने पड़े।

ईरान में हुई हिंसा के लिए तेहरान विदेशी साजिश का आरोप लगा रहा है। ईरानी नेतृत्व का कहना है कि विरोध प्रदर्शन स्वत:स्फूर्त नहीं थे।

सर्वोच्च नेता खामेनेई ने अमेरिका और इस्त्राइल पर अशांति भड़काने का आरोप लगाया। खामेनेई ने माना कि प्रदर्शनों में कई हजार लोगों की मौत हुई है। सरकार के मुताबिक बाहरी ताकतों ने देश के अंदर मौजूद असंतोष का फायदा उठाया।

तेहरान का दावा है कि हालात बिगाड़ने के लिए विदेशी एजेंसियां सक्रिय रहीं। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, यह हिंसा 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे घातक मानी जा रही है।

राफेल को बड़ा झटका, इस देश ने लास्ट मिनट में रद्द की 29,000 करोड़ की डील

नई दिल्ली। भारत और फ्रांस के बीच संभावित राफेल सौदे पर चर्चा तेज है। भारत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की लागत से फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह सौदे की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी चर्चा हो रही है। राफेल की तकनीकी क्षमताओं और अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट से उसकी तुलना भी लगातार की जा रही है। इसी बीच राफेल से जुड़ी एक नकारात्मक खबर सामने आई है, जिसमें फ्रांस की कंपनी दसॉल्ट एविएशन को एक बड़े अंतरराष्ट्रीय सौदे से हाथ धोना पड़ा है। दरअसल, दसॉल्ट को उम्मीद थी कि दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया अपनी वायुसेना के लिए राफेल लड़ाकू विमानों का चयन करेगा। कोलंबिया पुराने हो चुके फाइटर जेट्स को बदलने की योजना पर काम कर रहा था और वहां के सैन्य अधिकारियों ने राफेल की क्षमताओं की खुलकर सराहना भी की थी। बताया जाता है कि दोनों पक्षों के बीच लगभग 2.96 बिलियन पाउंड, यानी करीब 27 हजार करोड़ रुपये की डील लगभग तय मानी जा रही थी और कागजी औपचारिकताएं भी काफी हद तक पूरी हो चुकी थीं। यदि यह सौदा होता, तो राफेल वहां इजरायली किर्फिर जेट्स की जगह लेता। हालांकि, अंतिम समय पर कोलंबिया सरकार ने राफेल की बजाय स्वीडन के ग्रिपेन लड़ाकू विमान को चुन लिया। आधिकारिक तौर पर राफेल को सौदा न मिलने के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है।

'दोष सिद्ध होने से पहले हर किसी को जमानत का अधिकार', जेएलएफ में बोले- पूर्व सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़

जयपुर। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ रविवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि दोष सिद्धि से पहले जमानत एक मौलिक अधिकार होना चाहिए। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में अदालत का कर्तव्य है कि वह जमानत देने से पहले मामले की गहन जांच करे।

वरिष्ठ पत्रकार वीर संघवी ने जब उनसे उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज होने पर सवाल किया तो चंद्रचूड़ ने कहा, 'हमारा कानून निर्दोषिता की धारणाओं पर आधारित है। कोई भी व्यक्ति तब तक दोषी नहीं माना जाएगा जब तक उसकी दोषसिद्धि न हो।' उन्होंने आगे कहा, 'यदि कोई व्यक्ति पांच या सात साल तक जेल में रहे और बाद में निर्दोष साबित हो जाए, तो उसके खोए हुए समय की भरपाई कैसे की जाएगी?'

बिजनेस आइडिया फॉर न्यू जनरेशन

छोटी पेंसिल वर्कशॉप से ग्लोबल क्लासरूम तक: डीओएमएस की संघर्षगाथा

नई दृष्टिबिंदु

(संदीप सिंह)

कभी गुजरात के उमबरगांव में एक छोटी-सी पेंसिल वर्कशॉप से शुरू हुआ सपना, आज भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के बच्चों की पढ़ाई और कला का भरोसेमंद साथी बन चुका है। यह कहानी है डीओएमएस इंडस्ट्रीज की — एक ऐसा भारतीय ब्रांड जिसने साबित किया कि अगर सोच मजबूत हो, तो साधारण स्टेशनरी भी असाधारण बिजनेस बन सकती है।

संघर्ष से शुरुआत, संकल्प से विस्तार

वर्ष 1975-76 में स्वर्गीय रसिकलाल अमृतलाल रवेशिया और स्वर्गीय मनसुखलाल जमनादास रजनी ने आरआर इंडस्ट्रीज के नाम से स्टेशनरी निर्माण की नींव रखी। संसाधन सीमित थे, बाजार चुनौतीपूर्ण था, लेकिन सोच साफ थी— गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं।

धीरे-धीरे वही छोटी पेंसिल यूनिट एक मजबूत मैन्युफैक्चरिंग बेस में बदली। यहीं से डीओएमएस की असली पहचान गढ़ी जाने लगी।

2005: जब ब्रांड ने पहचान बनाई

साल 2005 में **DOMS** नाम से ब्रांड लॉन्च हुआ— **Dynamic Organisation Manufacturing Stationery**

लक्ष्य साफ था: युवा छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता, नवोन्मेषी और किफायती स्टेशनरी।

डीओएमएस ने वही किया जो बड़े ब्रांड करने से कतराते थे—

बेहतर पकड़ के लिए त्रिकोणीय पेंसिल

टूटने से बचाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट/पॉलिमर लेड

लागत और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए इन-हाउस मैन्युफैक्चरिंग

यहीं से डीओएमएस ने बाजार में सिर्फ प्रवेश नहीं किया, बल्कि नियम ही बदल दिए।

2012: जब भारत का ब्रांड बना ग्लोबल

डीओएमएस के सफर में 2012 एक ऐतिहासिक मोड़ लेकर आया।

इटली की दिग्गज स्टेशनरी कंपनी **FILA** (**Fabbrica Italiana Lapis ed Affini SpA**) के साथ साझेदारी ने डीओएमएस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी।

इस सहयोग से: रिसर्च एंड डेवलपमेंट को नई गति मिली। अंतरराष्ट्रीय वितरण नेटवर्क मजबूत हुआ। भारतीय ब्रांड को वैश्विक भरोसा मिला। यह साझेदारी बताती है कि लोकल सोच और ग्लोबल सहयोग मिलकर कैसे चमत्कार कर सकते हैं।

इन-हाउस ताकत: असली गेमचेंजर

डीओएमएस ने लकड़ी, सीसा (लीड) जैसे कच्चे माल के आंतरिक उत्पादन पर फोकस किया। लागत नियंत्रण, गुणवत्ता पर पूरा अधिकार, सालाना 1 अरब से अधिक यूनिट का उत्पादन, यही रणनीति डीओएमएस को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर भी प्रीमियम क्वालिटी देने में सक्षम बनाती है।

2023: पब्लिक लिमिटेड बनने की उड़ान

संघर्ष और निरंतर नवाचार का परिणाम सामने आया 2023 में, जब डीओएमएस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 1,200 करोड़ का आईपीओ लॉन्च किया। एक समय की साझेदारी फर्म, अब पब्लिक लिमिटेड कंपनी बन चुकी थी— निवेशकों के भरोसे और बाजार की ताकत के साथ।

नई पीढ़ी के लिए सबक

डीओएमएस की कहानी सिर्फ एक कंपनी की सफलता नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के उद्यमियों के लिए रोडमैप है: छोटा बिजनेस भी बड़ा ब्रांड बन सकता है। गुणवत्ता ही सबसे बड़ा मार्केटिंग टूल है। नवाचार बिना शोर के भी क्रांति कर सकता है। वैश्विक सोच के लिए विदेशी नहीं, दूरदृष्टि चाहिए। डीओएमएस ने दिखा दिया कि पेंसिल से भी भविष्य लिखा जा सकता है—बस लिखने की हिम्मत चाहिए।

नगर निगम द्वारा टर्मिनल टैक्स वसूली करना अब कानूनी रूप से अप्रभावी

भिलाई में सीमाकर वसूली को लेकर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

■ भिलाई (नई दृष्टिबिंदु)

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा जारी किए गए सीमाकर/निर्यात कर (टर्मिनल टैक्स) नोटिसों पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद भी निगम द्वारा उद्योगों पर कर लगाना गंभीर विषय है और इससे प्रदेश की औद्योगिक छवि को नुकसान पहुँच रहा है। श्री पाण्डेय ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरूण साव एवं वित्तमंत्री ओपी चौधरी को प्रतिलिपि के माध्यम से इस विषय से अवगत कराया है।

श्री पाण्डेय के पत्र के अनुसार नगर निगम भिलाई ने अपने क्षेत्र में कार्यरत लगभग 50-60 लघु एवं मध्यम उद्योगों को नोटिस जारी कर भारी राशि की मांग की है। यह मांग वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक की अवधि के लिए की गई है। निगम ने इन नोटिसों में छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 173 और मध्यप्रदेश नगर पालिका सीमा से निर्यातित वस्तुओं पर टर्मिनल टैक्स नियम 1996 (नियम 4 और 7) का हवाला दिया है। श्री पाण्डेय ने पत्र में स्पष्ट किया कि 1 जुलाई 2017 से देशभर में जीएसटी लागू हो चुका है। संविधान के 101वें संशोधन अधिनियम, 2016 और अनुच्छेद 246 व 269 के अनुसार वस्तुओं के उत्पादन, विक्रय, आपूर्ति और परिवहन पर कराधिकार केवल केंद्र और राज्य सरकारों को है। ऐसे में नगर निगम द्वारा टर्मिनल टैक्स वसूली करना अब कानूनी रूप से अप्रभावी है। उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 265 का उल्लंघन है, क्योंकि कर केवल विधि द्वारा ही लगाया जा सकता है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी उल्लेख किया कि जीएसटी लागू होने के बाद नगर निकायों को क्षतिपूर्ति के रूप में जीएसटी का हिस्सा दिया जाता है। अनुच्छेद 243ङ्क के तहत नगर निकायों को वित्तीय अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं। पाण्डेय ने कहा कि सीमाकर से उद्योगों का उत्पीड़न हो रहा है, निवेश और रोजगार पर विपरीत असर पड़ रहा है तथा राज्य की औद्योगिक छवि को नुकसान पहुँच रहा है। उन्होंने मुख्य सचिव से मांग की है कि निगम द्वारा जारी सभी नोटिसों की तत्काल जांच और विधिक समीक्षा कराई जाए। साथ ही नगरीय प्रशासन विभाग से स्पष्ट शासनादेश जारी कर नगर निगमों को ऐसे कर लगाने से रोका जाए।

तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 01 फरवरी से, कलेक्टर सहित अधिकारियों ने लिया तैयारियों का जायजा

कलेक्टर ने तैयारी तेज करने के दिए निर्देश, ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता का होगा आयोजन

महासमुन्द। महासमुंद जिले के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक नगरी सिरपुर में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाला तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 01 से 03 फरवरी 2026 तक भव्य गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित करने अंतिम रूप दिया जा रहा है।महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने आज दोपहर 12 बजे कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं जिला प्रशासन की टीम सिरपुर पहुंची और आयोजन स्थल सहित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, सिरपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ धम्म शील गणवीर मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने आयोजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं जन सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और तैयारी तेज करने के निर्देश दिए। इस बार सिरपुर के वैभव और ऐतिहासिक महत्व को लेकर ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजन कर प्रविष्टियां आमंत्रित की जाएगी।

कलेक्टर श्री लंगेह ने महोत्सव स्थल, स्टेज, डोम में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, विद्युत व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य मंच तक पहुंचने वाले मार्गों को पर्याप्त चौड़ा रखने, सुगम आवागमन सुनिश्चित करने तथा दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डोम का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि महोत्सव स्थल में विभागीय स्टॉल, स्व-सहायता समूहों के उत्पाद, वन उत्पाद, पर्यटन एवं संस्कृति से जुड़े स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिरपुर एवं आसपास के स्थानीय व्यवसायियों, सरस मेला, स्व-सहायता समूहों तथा कारीगरों को स्टॉल आबंटन में प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे स्थानीय आजीविका को बढ़ावा मिल सके। स्टॉल ले-आउट के अनुरूप ही इस प्रकार तैयार किया जाए कि आगंतुकों को आसानी से भ्रमण करने की सुविधा मिले तथा आपातकालीन स्थिति में निकास मार्ग बाधित न हो। महोत्सव के दौरान बॉलीवुड कलाकारों सहित स्थानीय एवं छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की आकर्षक छटा देखने को मिलेगी। इस अवसर पर प्रतिदिन महानदी आरती का आयोजन भी किया जाएगा। कलेक्टर ने मुख्य मंच को आकर्षक एवं सांस्कृतिक थीम आधारित साज सज्जा देने के निर्देश दिए। महोत्सव परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन हेतु स्थानीय पंचायत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक दिन कार्यक्रम समाप्ति के बाद कचरा उठाव अनिवार्य रूप से किया जाएगा। सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत एवं अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था तथा महोत्सव परिसर की सड़कों की आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

नैतिक शिक्षा ही व्यक्ति सर्वांगीण विकास की पूंजी है - डॉ रेवाराम पाल

साजा। आसाराम बापू आश्रम बेमेतरा छत्तीसगढ़ के तत्वधान में पूज्य बापू जी के साधकों द्वारा शुक्रवार की शाम को हर्षोल्लास के साथ मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया गया। यह आयोजन श्री अखंड नवधा रामायण प्रांगण ग्राम पलेनी व चीजगाँव में भव्य रूप से हुआ। आयोजन में ग्रामवासियों की सहभागिता रही। इस तरह के पवित्र आयोजन से ग्रामवासियों में भारतीय संस्कृति, समरसता एवं नैतिक शिक्षा का उद्गम होता है। आयोजन के प्रणेता संत आसाराम बापू का बहुत-बहुत आभार प्रकट किया। बापू के उद्देश्य से बुजुर्ग माता-पिता को पूज्यनीय बनाया। समाज में हो रही अमर्यादित व्यवहार एवं आदर सम्मान को जीवित रखने के लिए उनकी विचारधारा रही है। प्रति वर्ष 14 फरवरी को मातृ पितृ-पूजन आयोजन से लोफर व अय्याशी बन रहे युवाओं को माता पिता का शुभाशीष मिल रहे हैं एवं अनाथ आश्रमों में संख्या घट रही हैं। आयोजन में ग्राम पलेनी से संत आसाराम आश्रम, बेमेतरा संचालक अनुप आदव, मुक्ता साहू, खोमेंद्र सिन्हा,लता पटेल, दीनदयाल यादव,हनुमान सिंह वर्मा,झूलूराम वर्मा,मनोज वर्मा, पुरूषोत्तम वर्मा एवं ग्राम चीजगाँव से घनश्याम साहू, चिंताराम साहू,उत्तम कुमार साहू, अजय कुमार साहू, धीरज साहू समेत ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सरस्वती नायक बनी बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ की प्रदेश उपाध्यक्ष

बसना। ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष टी.सी. राठौर के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सदाशिव राम नायक के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक द्वारा ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश पदाधिकारीयों का घोषणा करते हुए ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी पदाधिकारियों की सूची भी जारी किया गया है।

जिसमें नगर पंचायत खरोरा की पूर्व एल्डरमैन एवं ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ महिला प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ की पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती श्रवण नायक को आल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ मुख्य बॉडी की प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्रीमती सरस्वती श्रवण नायक महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी अध्यक्ष रहते हुए प्रदेश भर के सभी जिलों में महिला प्रकोष्ठ का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और महिला शक्ति को सशक्त किया. जिसके परिणाम स्वरुप आज आल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौपी गई है?

प्रदेश उपाध्यक्ष बनाने के बाद श्रीमती सरस्वती श्रवण जी ने बंजारा समाज के सभी प्रबुद्धजनों व स्वजातीय बन्धुओ का आभार माना।

उन्होंने आगे कहा कि ,हर व्यक्ति को समाज के प्रति निश्वार्थ भाव के कार्य करना चाहिए। समाज से ही हमारी पहचान है और समाज से जुड़ी है हमारी संस्कृति,, जिसे बरकार रखना है। संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा।

हमारी संस्कृति, हमारी पहचान है इस नारे के साथ समाज के लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। आधुनिक युग के साथ लोग अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे है।

2 गांजा तस्कर 123 किलो 30 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार

बलेनो कार में गांजा परिवहन करने तथा रेनॉल्ट कार में पायलेटिंग करते थे

सारंगढ़ बिलाईगढ । जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पुलिस अधीक्षक मआंजनेय वार्ष्णेय के द्वारा जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को जुआ, सट्टा, शराब, अवैध मादक पदार्थ गांजा में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने पर अति0 पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पाण्डेय एवं अति.पुलिस अधीक्षक

अविनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल नेतृत्व मे सरिया पुलिस को 123 किलो 30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ 02 आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। मुखबीर सुचना मिला कि एक बिना नंबर के बलेनो कार क्रमांक का चालक उड़ीसा से गांजा लेकर सरिया होते हुए शहडोल जा रहा है तथा उसके आगे पीछे रेनॉल्ट ट्राईबर कार पायलेटिंग में चल रही है सूचना पर भुलुमुडा कच्ची रोड घेराबंदी कर दोनों कार को पकड़ा गया। बलेनो कार चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम शिवम् कुमार जायसवाल जिला शहडोल का होना बताया। गवाहों के समक्ष बलेनो कार की तलाशी लेने पर कार के अंदर 120 पैकेट में कुल 123 किलो 30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। पायलेटिंग कर रहे रेनॉल्ट ट्राइबर कार चालक से नाम पता पूछने पर दिनेश नट जिला शहडोल का होना बताया। आरोपियों के कब्जे से 123 किलो 30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, 01नग बिना नंबर के बलेनो कार, 01 नग रेनॉल्ट ट्राइबर कार,एक नग जियो कंपनी के मोबाइल को जप्त कर आरोपियों के खिलाफ थाना सरिया मे अपराध क्रमांक 12/2026 धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर दोनों आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है । सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रमोद यादव ,सउनिसुमनचौहान ,मोतीलाल डनसेना प्र0आर0- सत्यम मंडलोई,अनिल साहू व समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

बालोद शहर के मधु चौक पर अधूरी नाली निर्माण से खतरे की

बालोद। नगर के मधु चौक के पास लगभग 20 दिनों से नाली निर्माण कार्य अधूरे होने से नागरिकों और* *व्यापारियों की सुरक्षा गंभीर खतरे में है। निर्माण स्थल पर गहरे गड्ढे और खोदे हुए रास्ते छोड़ दिए गए हैं, जिससे किसी भी समय दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लोगों ने बताया कि नाली निर्माण कार्य का कार्य आदेश जारी होने के बाद इसे बीच में ही रोक दिया गया और अब तक कोई जिम्मेदार अधिकारी या विभाग इसे पूरा करने के लिए नहीं आया है , नाली निर्माण स्थल पर कोई चेतावनी बोर्ड, रोड़ा या अन्य सुरक्षा उपाय नहीं लगाए गए हैं। इस स्थिति में राहगीर, बच्चे और वाहन चालकों की जान जोखिम में है जिसके कारण कभी भी दुर्घटना हो सकती है। मधु चौक के व्यापारीयों ने भी इस लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताई है। रुद्रा सैलून के संचालक उमेश कुमार सेन सहित आसपास के सभी व्यापारियों ने कहा कि विभाग की बड़ी लापरवाही के कारण आम लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि यह अधूरी नाली उनके व्यापार और इलाके की सुरक्षा दोनों के लिए खतरा बन गई है। लोगों का सुझाव है कि तुरंत सुरक्षा उपाय किए जाएं और निर्माण कार्य को जल्द पूरा किया जाए। नागरिक और व्यापारी दोनों ही उम्मीद कर रहे हैं कि संबंधित विभाग तुरंत इस अधूरी नाली निर्माण को पूरा करने और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगा।

कायाकल्प अवार्ड योजना में सीएचसी लोरमी प्रदेश में प्रथम

जिले का नाम हुआ रोशन, कलेक्टर ने दी बधाई

जिले के 39 स्वास्थ्य केन्द्रों को भी मिलेगा कायाकल्प सम्मान

मुंगेली। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी कायाकल्प अवार्ड योजना के अंतर्गत जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), लोरमी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, रोगी सुविधाओं और सेवा गुणवत्ता के उत्कृष्ट मानकों के आधार पर सीएचसी लोरमी को प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोषित किया गया है। कायाकल्प योजना के तहत प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सीएचसी लोरमी को 15 लाख की नगद पुरस्कार राशि के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही 01 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 08 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 30 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को भी कायाकल्प योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार, स्वच्छ अस्पताल अभियान और गुणवत्तापूर्ण उपचार व्यवस्था की दिशा में किए गए समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि, सीएचसी लोरमी का प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करना जिले के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफएवं समस्त स्वास्थ्य कर्मियों की टीमवर्क भावना, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण का परिणाम है। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए इसी तरह निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.शीला साहा ने बताया कि कायाकल्प योजना का उद्देश्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण, बुनियादी ढांचे और मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं में सुधार कर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है। इस योजना के तहत नियमित मूल्यांकन के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अस्पतालों को सम्मानित किया जाता है। सीएचसी लोरमी की इस उपलब्धि से जिले के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों को भी उत्कृष्ट सेवाएं देने की प्रेरणा मिलेगी। डीपीएम गिरीश कुर्रे ने बताया कि इस सफलता को टीमवर्क, सतत निगरानी और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है।

पेंशनर्स का अनुभव नई पीढ़ी के लिए अनमोल धरोहर, समाज निर्माण में वरिष्ठों की भूमिका अहमः विधायक डॉ.+ संपत अग्रवाल

पेंशनर्स एसोसिएशन के वार्षिकोत्सव में शामिल हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल

अनुभवों को बताया नई पीढ़ी की प्रेरणा

पिथौरा। पिथौरा में पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा गरिमामयी 'वार्षिकोत्सव समारोह' का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह का आगाज़ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। आयोजन समिति ने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल का पुष्पहारों और आत्मीय स्वागत के साथ अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने पेंशनर संघ के सभी सदस्यों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी ने अपने सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ समाज और शासन की सेवा की है। आपके इसी परिश्रम ने संगठन और समाज को सशक्त बनाया है। सेवानिवृत्ति केवल सेवा का अंत नहीं, बल्कि अनुभव के एक नए अध्याय की शुरुआत है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने आगे जोर देते हुए कहा कि बुजुर्गों और अनुभवी अधिकारियों का मार्गदर्शन आज की युवा पीढ़ी के लिए एक सशक्त प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि अनुशासन और कार्यकुशलता जो पेंशनर्स के पास है, वह किसी भी राष्ट्र के निर्माण के लिए अमूल्य है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने पेंशनर संघ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन एकता और सहयोग का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पेंशनर्स के अधिकारों, सम्मान और हितों की रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।संगठन भविष्य में सकारात्मक सोच के साथ नई ऊँचाइयों को छुए, इसके लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने आगे कहा कि सभी वरिष्ठजन एक स्वस्थ, सुखी और सम्मानपूर्ण जीवन व्यतीत करें, यही उनकी प्राथमिकता है।

विधायक ने अंत में पेंशनर संघ के समस्त पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपनी एकता को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहकर वे समाज को नई दिशा दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान पेंशनर्स एसोसिएशन ने भी अपनी मांगों और अनुभवों को साझा किया, जिस पर विधायक महोदय ने सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

इस गरिमामयी समारोह में प्रांताध्यक्ष पेंशनर संघ छत्तीसगढ़ यशवंत देवान,जनपद अध्यक्ष पिथौरा ऊषा पुरुषोत्तम घृतलहरे,जिला प्रवक्ता भाजपा महासमुंद स्वप्निल तिवारी,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सीताराम सिन्हा,जनपद सदस्य पुरुषोत्तम घृतलहरे,जनपद सदस्य कंवलजीत (पम्मी) छाबड़ा,संरक्षक, पेंशनर संघ पिथौरा शिवशंकर पटनायक,संरक्षक, पेंशनर संघ पिथौरा मुरली मनोहर शर्मा ,प्रांतीय महामंत्री भैयाराम चंद्राकर,प्रांतीय उपाध्यक्ष राधेलाल चंद्राकर, प्रांतीय प्रवक्ता बेदनाथ चंद्राकर,प्रांतीय प्रवक्ता सी. एल. विश्वकर्मा,एस.बी.आई. (स्वच्छ), पिथौरा तिरथनाथ नाग ,जिला अध्यक्ष धमतरी वी के नाग,जिला अध्यक्ष रायपुर विद्यादेवी साहू,तहसील अध्यक्ष महासमुंद रामकुमार साहू,प्रांतीय उपाध्यक्ष शंकरलाल शर्मा,कार्यकारिणी अध्यक्ष (संचालन) यू. के. दास ,संरक्षक एवं पूर्व प्रांताध्यक्ष गंगाप्रसाद साहू,तहसील अध्यक्ष कसडोल आत्माराम साहू, तहसील उपाध्यक्ष कसडोल गणेशदंत साहू, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र पांडे,किसान मोर्चा अध्यक्ष अजय डड़सेना,तहसील अध्यक्ष मगरलोड एन आर साहू ,पेंशनर संघ के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खबर-खास

देशभक्ति की गूंज के बीच 26 को होगा पत्रकार कालोनी का उदघाटन

राजनांदगांव। डोंगरगांव मार्ग पर पत्रकारों की बहुप्रतीक्षित आवासीय कालोनी तैयार हो गई है। गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति गीतों की गूंज के बीच विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडेय और महापौर मधुसूदन यादव आदि के हाथों इसका लोकार्पण होने जा रहा है। पूरा परिसर तिरंगा से सराबोर रहेगा। कालोनी में पेयजल व्यवस्था के लिए संपवेल और ओवरहेड टंकी के लिए भी उसी दिन भूमिपूजन किया जाएगा। शुक्रवार को महापौर यादव ने कलेक्टर जितेंद्र यादव व नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा के साथ कालोनी का अवलोकन किया। इस दौरान उदघाटन-भूमिपूजन समारोह की तैयारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। समारोह को यादगार बनाने पूरा प्रशासन लगा हुआ है।

10 एकड़ क्षेत्रफल में फैली इस कालोनी में सीमेंट की सड़क, कांक्रीट की नाली, बिजली, क्रीडा स्थल, बाउंड्रीवाल व उद्यान समेत सभी आवश्यक सुविधाएं जुटा ली गई है। पेयजल के लिए डीएमएफ से राशि स्वीकृति के साथ ही निविदा की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। 26 जनवरी को कालोनी के उदघाटन की तैयारी को लेकर शुक्रवार को दोपहर में महापौर व कलेक्टर ने पूरे परिसर का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कालोनी पूरे छत्तीसगढ़ में शानदार उदाहरण बनेगा। भविष्य में स्कूल के साथ ही स्वास्थ्य की भी व्यवस्था यहां होगी। निरीक्षण के दौरान सभा स्थल, मंच, बैठक व्यवस्था, साज-सज्जा, पार्किंग आदि को लेकर रूपरेखा भी तैयार कर ली गई। निरीक्षण के दौरान संरक्षक जितेंद्र मिश्रा, अशोक पांडे, प्रेस क्लब गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष मिथलेश देवांगन, संचालक मंडल से किशोर सिल्लेदार, जितेंद्र सिंह, मोहन कुलदीप, जयदीप शर्मा, कमलेश सिमनकर, क्लब के सचिव अनिल त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष बसंत शर्मा, दीपांकर खोबरागढ़े, संजय सिंह राजपूत, युवराज पांडे, ललित ठाकुर आदि उपस्थित थे।

अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई

महासमुन्द। महासमुन्द जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार निरंतर सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में विभिन्न तहसीलों में मंडी अधिनियम के तहत कई स्थानों पर बीती रात और आज कार्रवाई कर कुल 772 कट्टा धान जप्त किया गया। पिथौरा विकासखंड अंतर्गत एवं बसना अंचल के गांव रजपालपुर, झारमुडा के समीप अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 100 बोरे धान को पकड़कर मंडी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। वहीं ग्राम भुरकोनी में लखन डडसेना के निवास पर 250 बोरी धान का अवैध भंडारण पाया गया। इस पर राजस्व विभाग एवं मंडी विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए मंडी अधिनियम के तहत धान जप्त किया गया। इसी प्रकार विकासखंड बसना क्षेत्र में अवैध धान परिवहन के एक अन्य प्रकरण में लगभग 200 कट्टा धान जब्त किया गया। वहीं ग्राम पोटापारा में 86 पैकेट अवैध धान पाए जाने पर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार सरायपाली विकासखंड अंतर्गत ओडिशा से आ रहे दो पिकअप वाहनों को सरायपाली मंडी सचिव, मंडी कर्मचारियों एवं नाका कर्मचारियों द्वारा जगलबेड़ाङ्गगोहेरा पाली मोड़ पर रोककर जांच की गई, जिसमें लगभग 136 पैकेट धान अवैध रूप से परिवहन करते पाए गए। उक्त धान को मंडी अधिनियम के तहत जब्त किया गया। जिला प्रशासन ने निर्देशित किया है कि अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

निखत जरीन की मौजूदगी में एनएमडीसी किरंदुल ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित की 10 व 5 किमी मैराथन

एनएमडीसी बैलाडीला आयरन ओर माइन किरंदुल में गणतंत्र दिवस उत्सव: निखत जरीन ने फहराई हरी झंडी, जानवी साहू बनीं महिला वर्ग की चैंपियन

दंतेवाड़ा किरंदुल। गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड के बैलाडीला आयरन ओर माइन, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने विश्व स्तर पर प्रसिद्ध अपनी उत्कृष्ट लौह अयस्क उत्खनन क्षमता को सेलिब्रेट करते हुए एक भव्य खेल आयोजन किया। दो बार की विश्व मुक्केबाजी चैंपियन एवं एनएमडीसी की ब्रांड एम्बेसडर निखत जरीन की गरिमामयी उपस्थिति में 10 किमी और 5 किमी की मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। बता दे रविवार सुबह 7:30 बजे नगर के फुटबॉल ग्राउंड से शुरू हुई इस मैराथन का शुभारंभ निखत जरीन एवं एनएमडीसी परियोजना के अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण ने हरी झंडी दिखाकर किया। किरंदुल एवं आसपास के क्षेत्रों से लगभग 900 उत्साही प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। **परिणाम इस प्रकार रहे:** 10 किमी पुरुष वर्ग प्रथम: सुकराम ओयाम, द्वितीय: रोशन कुमार बारसा, तृतीय: सुजीत कुमार, 5 किमी वर्ग (संयुक्त/महिला सहित उल्लेखनीय) प्रथम: रिंकू, द्वितीय: रोशन, तृतीय: सुजीत कुमार, महिला वर्ग (विशेष उल्लेख), प्रथम: केंद्रीय विद्यालय किरंदुल की छात्रा जानवी साहू।

विजेताओं को निखत जरीन ने स्वयं पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) के.पी. सिंह, विभिन्न विभागाध्यक्ष, बड़ी संख्या में एनएमडीसी कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

यह आयोजन एनएमडीसी की सामाजिक जिम्मेदारी और खेल-कूद को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे स्थानीय युवाओं में फिटनेस और राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत हुई।

जिले में मशाल गौरव यात्रा रथ का भव्य स्वागत

बेमेतरा। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा छत्तीसगढ़ की मेजबानी में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के प्रथम संस्करण का आयोजन आगामी 14 फरवरी 2026 से किया जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इन खेलों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से मशाल गौरव यात्रा प्रारंभ की गई है, जो प्रदेश के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर रही है। इसी क्रम में 18 जनवरी को मशाल गौरव यात्रा का रथ बेमेतरा जिला पहुँचा, जहाँ उसका बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भव्य स्वागत किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ स्वागत, छात्राओं ने मोहा मन

मशाल गौरव यात्रा सर्वप्रथम कलेक्ट्रेट परिसर पहुँची, जहाँ जिला खेल अधिकारी सुश्री पिंकी मनहर सहित अन्य अधिकारियों ने रथ एवं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के शुभंकर 'मोर वीर' का स्वागत किया। स्वागत अवसर को और भी यादगार बनाते हुए कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर जिला क्रीड़ा संघ के सचिव एवं प्रशिक्षक श्री अजय वर्मा एवं उनकी टीम द्वारा भी शुभंकर मोर वीर का अभिनंदन किया गया।

मशाल गौरव यात्रा रथ एवं शुभंकर मोर वीर के साथ बच्चों द्वारा रैली भी निकाली गई। रथ यात्रा बेमेतरा नगर में भ्रमण करते हुए सिग्नल चौक पहुँची, जहाँ आतिशबाजी के साथ रथ का भव्य स्वागत किया गया। यहाँ पुलिस एवं यातायात विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मोर वीर का स्वागत कर खेलों के प्रति अपना उत्साह प्रकट किया।

रथ यात्रा इसके पश्चात स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कांटेली पहुँची, जहाँ नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा, प्रदेश संयोजक किसान मोर्चा श्री हर्षवर्धन तिवारी एवं पार्षद श्री गौरव साहू ने शुभंकर मोर वीर का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा ने मेडल एवं मोमेंटो भेंट कर मोर वीर का सम्मान किया।

नालंदा परिसर सिर्फ इमारत नहीं, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद होगी - सांसद रुपकुमारी

बसना में नालंदा परिसर का भूमिपूजन

बसना। बसना के वार्ड क्रमांक 01स्थित पीएम श्री विद्यालय एवं मार्डन पब्लिक स्कूल बसना के पास नालंदा परिसर का भूमिपूजन किया गया।

इस दौरान क्षेत्रीय सांसद रुप कुमारी चौधरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि,नालंदा परिसर का निर्माण शिक्षा, संस्कृति और समाज निर्माण को नई दिशा प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परिसर क्षेत्र के बच्चों एवं युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला सिद्ध होगा। भूमिपूजन के दौरान स्थानीय नागरिकों का उत्साह और उनकी सक्रिय सहभागिता यह प्रमाणित करती है कि, बसना क्षेत्र मे शिक्षा के प्रति जागरूकता और विकास के प्रति समर्पित भाव से निरंतर आगे बढ़ रहा है। श्रीमती रुपकुमारी चौधरी महासमुंद लोकसभा सांसद ने नालंदा परिसर की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं के सपनों को उड़ान देने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के हर क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का

अवसर मिले। इसके लिए माननीय साय सरकार अलग-अलग क्षेत्र के शहरों में नालंदा परिसर का निर्माण कर रहे हैं। सुकमा से लेकर सूरजपुर और रायगढ़ से लेकर कवर्धा तक ङ्क हर कोने में अत्याधुनिक सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन खोले जा रहे हैं। ये नालंदा परिसर सिर्फ इमारत नहीं, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद हैं। कार्यक्रम में बसना के लोकप्रिय और सक्रिय विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल की प्रेरक उपस्थिति रही। नगर पंचायत बसना अध्यक्ष डॉ खुशबू अग्रवाल, जितेंद्र त्रिपाठी, नरेन्द्र यादव, पार्षदगण तथा भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुधा वाटिका में मूर्ति खंडन का आरोपी गिरफ्तार, मनोरोग चिकित्सालय भेजने का आदेश

कवर्धा। थाना कवर्धा क्षेत्र अंतर्गत ठाकुर पारा स्थित सुधा वाटिका गार्डन परिसर में शिव मंदिर के शिवलिंग एवं नंदी महाराज के खंडन की गंभीर घटना को कवर्धा पुलिस द्वारा गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की गई। घटना से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने के संबंध में दिनांक 10.01.2026 को थाना कवर्धा में अपराध क्रमांक 20/2026 धारा 298 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (प्वै) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेंद्र बघेल एवं श्री अमित पटेल के मार्गदर्शन में एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कृष्ण कुमार चंद्राकर के पर्यवेक्षण में थाना कवर्धा पुलिस द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन, नजरी नक्शा तैयार करना, गवाहों के कथन लेना एवं आसपास के क्षेत्र में सघन पतासाजी की गई। पुलिस की सतर्कता एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप घटना में संलिप्त आरोपी राज देवार उर्फ छोटे देवार पिता कृष्णा देवार उम्र 19 वर्ष निवासी लोहारा नाका वार्ड क्रमांक 05 कवर्धा को चिन्हित कर विधिवत गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी का व्यवहार असामान्य पाए जाने पर निष्पक्ष एवं वैधानिक जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आरोपी का जिला चिकित्सालय कवर्धा में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया, जहां चिकित्सक द्वारा उसे शारीरिक रूप से स्वस्थ किंतु मानसिक रूप से अस्वस्थ पाया गया एवं समुचित उपचार हेतु मनोरोग चिकित्सालय सेन्द्री, जिला बिलासपुर रेफर किया गया। जांच में यह भी तथ्य सामने आया कि आरोपी का पूर्व में भी मनोरोग चिकित्सालय सेन्द्री, बिलासपुर में उपचार कराया जा चुका है। आरोपी को 15.01.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी की मानसिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए उसे समुचित उपचार हेतु मनोरोग चिकित्सालय सेन्द्री, जिला बिलासपुर भेजे जाने का आदेश पारित किया गया। कवर्धा पुलिस द्वारा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने हेतु पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। जिले में शांति एवं सद्भाव भंग करने वाले किसी भी कृत्य पर कठोर एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्यवाही में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक योगेश कश्यप, शालिनी वर्मा, रघुवंश पाटिल, सुनील यादव, अजय वैष्णव, हीरेन्द्र, संतोष बांधेकर, धर्मेंद्र मरावी, साइबर प्रभारी निरीक्षक महेश प्रधान, आरक्षक संदीप शुक्ल 509, आरक्षक गोपाल राजपूत 97 का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गुरुकुल में दी गई सड़क सुरक्षा की जानकारी

कवर्धा। जनपद की सुप्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम शाला गुरुकुल पब्लिक स्कूल में यातायात विभाग कवर्धा ने सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षक कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा की विशेष जानकारी दी। यातायात विभाग के ट्रैफिक इंचार्ज अजयकांत तिवारी एवं उनके सहयोगियों ने रोचक ढंग से विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के विषय में समझाया।

यातायात नियमों की जानकारी देते हुए श्री तिवारी ने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन नहीं चलाना चाहिए। यदि उनके द्वारा दुर्भाग्यवश दुर्घटना होती है, तो उनके पिता स्वमेव आरोपी बन जाएंगे और उन पर अपराधिक तौर पर कानून लागू होगा। उन्होंने सभी को समझाया कि शाला के शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है। जो चार पहिया वाहन चलाते हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट बाँधना चाहिए। साथ ही वाहन से संबंधित कागजात अपने पास रखना चाहिए। शाला के प्राचार्य मनोज कुमार राय ने भी बच्चों को समझाया कि वह अनाधिकृत रूप से वाहन चालन ना करें। अपने माता-पिता को भी यातायात नियमों के विषय में समझाएं। शाला के अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारीगण ने संतोष व्यक्त किया कि इस जानकारी से विद्यालय के विद्यार्थी ही नहीं समस्त कर्मचारी भी लाभान्वित होंगे।

सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा

मीडिया प्रभारी शिक्षक डॉक्टर विजय कुमार शाही ने बताया कि यातायात इंचार्ज के द्वारा विद्यालय के सभी शिक्षकों कर्मचारियों एवं बस के चालक परिचालकों को समझाया गया कि वाहन का बीमा आवश्यक है जिससे दुर्घटना होने पर आर्थिक रूप से बचाव किया जा सके। उन्होंने समझाया कि जीवन अनमोल है। इसकी सुरक्षा किसी भी कीमत पर की जानी चाहिए इसलिए यातायात विभाग का स्लोगन है। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा।

ओवरब्रिज से प्रभावित मंडी के 40 दुकानदारों के हित में प्रमोद जैन ने पेश किया प्रस्ताव

गुंडरदेही। मुख्यमंत्री के प्रवास और क्षेत्र को मिली करोड़ों की सौगातों के बाद, नगर पंचायत गुंडरदेही के विकास की गति को एक और नई ऊंचाई मिली है। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत केंद्र सरकार द्वारा शहर के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु 32.32 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। विशेष रूप से शहर में ओवरब्रिज निर्माण के कारण प्रभावित होने वाले व्यापारियों के हित में भी नगर पंचायत ने एक बड़ा कदम उठाया है।मंडी दुकानदारों के विस्थापन पर मिल कर सभी ने सहमति बनाकर मुखरूप से दो विक्लपो के साथ नगर पंचायत कार्यालय में आज ओवरब्रिज निर्माण से प्रभावित होने वाले मंडी क्षेत्र के 40 दुकानदारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। अध्यक्ष प्रमोद जैन पार्षदों और अधिकारियों की उपस्थिति में दुकानदारों के पुनर्वास पर विस्तार से चर्चा की। यदि व्यापारी उसी क्षेत्र में रहना चाहते हैं, तो नगर पंचायत उन्हें 33 नई दुकानें बनाकर देगी, जिसकी विकास लागत व्यापारियों को वहन करनी होगी। और अगर नया व्यापारिक क्षेत्र यदि वहां असुविधा होती है, तो नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत 3 एकड़ शासकीय भूमि को समतल और विकसित कर दिया जाएगा, जिसकी लागत भी व्यापारियों को देनी होगी। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि हमारा लक्ष्य किसी का रोजगार छीनना नहीं, बल्कि सबको व्यवस्थित करना है। हम सभी प्रभावितों को बेहतर व्यवस्थापन करके देंगे। व्यापारियों ने 2 महीने के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने का आग्रह किया है और वे इस चर्चा से संतुष्ट हैं।

व्यापारियों को एक सप्ताह के भीतर अपना अंतिम निर्णय बताने को कहा गया है। बैठक के बाद सभी दुकानदारों ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए प्रशासन के सहयोग के प्रति संतोष व्यक्त किया।

समितियों में खरीदी लिमिट बढ़ी, अब प्रति दिन अधिक धान खरीदी संभव

जिले में 43 लाख क्विंटल से अधिक धान खरीदी, 90 हजार किसानों ने किया विक्रय

माइक्रो एटीएम व चेक से आसान भुगतान व्यवस्था

किसानों को 994 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

मुंगेली। शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले के 105 उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित ढंग से जारी है। किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे ध्यान में रखते हुए जिले की सभी समितियों में खरीदी लिमिट में वृद्धि की गई है। साथ ही प्रतिदिन खरीदी की सीमा भी बढ़ा दी गई है, जिससे खरीदी कार्य तेज और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो रहा है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार धान उपार्जन कार्य सुचारू रूप से संचालित है। टोकन काटने की प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी है और किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या नहीं हो रही है। जिला खाद्य अधिकारी हुलेश डड़सेना ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले की 66 समितियों के 105 खरीदी केन्द्रों में 01 लाख 10 हजार 900 से अधिक किसान पंजीकृत हैं। अब तक 90 हजार से अधिक किसानों ने धान का विक्रय किया है। जिले में कुल 43 लाख क्विंटल से अधिक धान खरीदी की जा चुकी है, जिसमें मोटा 23 लाख 72 हजार 486 क्विंटल, पतला 134 क्विंटल एवं सरना 18 लाख 95 हजार 496 क्विंटल शामिल है।

उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव लगातार जारी है और अब तक 27 लाख 85 हजार क्विंटल से अधिक धान का उठाव किया जा चुका है। धान विक्रय करने वाले किसानों को माइक्रो एटीएम एवं चेक के माध्यम से त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। अब तक किसानों को 994 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। प्रतिदिन लगभग 03 हजार किसानों को करीब 12 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है।

अवैध भंडारण व परिवहन पर सख्त निगरानी

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले की सीमाओं एवं चेक पोस्ट पर चौकसी बढ़ाई गई है। संदिग्ध वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध धान खपाने पर रोक लगाने के लिए इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है, जिससे खरीदी, भंडारण एवं परिवहन की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है।

संपादकीय

विकास के नाम पर सिर्फ बढ़ता प्रदूषण

हरिशंकर व्यास

एक पुरानी कहावत है, 'खाया पिया कुछ नहीं गिलास फोड़ा बारह आना।' प्रदूषण के मामले में वही हाल भारत का है। लंदन से लेकर बीजिंग तक दुनिया भर के देशों की राजधानियों और दूसरे शहरों में एक समय प्रदूषण का साया रहा लेकिन वह इसलिए रहा क्योंकि उन देशों और शहरों में औद्योगिक विकास हो रहा था। लंदन में प्रदूषण का संकट पहली औद्योगिक क्रांति के बाई प्रोडक्ट की तरह आया। बाद में इन शहरों ने प्रदूषण दूर भी कर लिया। लेकिन भारत में कोई औद्योगिकीरण नहीं हुआ लेकिन प्रदूषण चौतरफा फैल गया। अगर उद्योग धंधे लगते, औद्योगिक विकास हो रहा होता, चीन की तरह भारत दुनिया की फैक्टरी बन रहा होता, लोगों की आमदनी बढ़ रही होती और उसी अनुपात में बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा होता तो हवा के प्रदूषण को समझा जा सकता था। माना जाता है कि देश विकास कर रहा है इसलिए प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। और तब यकीन भी होता कि एक दिन भारत प्रदूषण की समस्या से निजात पा जाएगा।

लेकिन भारत में प्रदूषण की समस्या विकास का बाई प्रोडक्ट नहीं है, बल्कि अव्यवस्था का मुख्य उत्पाद है। भारत में अगर ठीक से सफाई हो जाए तो प्रदूषण की समस्या 20 फीसदी कम हो जाएगी। इसके लिए सड़कों पर सफाई और कचरा उठाने का बंदोबस्त करना होगा। लेकिन वह भी नहीं हो पाता है। स्थानीय प्राधिकरण सफाई नहीं करा पाता है और उलटे अनियमित निर्माण की अनुमति देता है, जिसकी कोई निगरानी नहीं होती है। देश में योजनाबद्ध तरीके से बसे शहरों की गिनती की जाए तो संख्या दो अंकों में नहीं पहुंचेगी। बाकी ऐसे ही गांवों, कस्बों में या सड़कों के किनारे शहर उग आए हैं या शहर फैल कर गांवों और कस्बों तक पहुंच गए हैं, जहां शहर की कोई व्यवस्था नहीं है। चारों तरफ बेतरतीब तरीके से निर्माण हो रहा है। नदियों और तालाबों को भर कर मकान और दुकान बनाए जा रहे हैं। इसी तरह बेहिसाब गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं। शहरों में फैली गंदगी और गाड़ियों का धुआं प्रदूषण का मुख्य कारण है।

पिछले दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्वीकार किया कि देश के प्रदूषण में बड़ा योगदान गाड़ियों का है। लेकिन वे क्या कर सकते हैं? सरकार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर सब्सिडी दे रही है लेकिन पेट्रोल व डीजल की गाड़ियां ज्यादा सस्ती हैं तो लोग उसे खरीद रहे हैं। दोनों तरह की गाड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। गाड़ियों के चलने के लिए सड़क नहीं है और न ट्रैफिक मैनेजमेंट का कोई उपाय है। हर साल सर्दियों में कहा जाता है कि अगर ट्रैफिक रेगुलेट कर दिया जाए और जाम लगना कम हो जाए तो प्रदूषण में कितनी कमी आ सकती है। लेकिन हर साल सर्दियों के साथ जाम भी बढ़ता जाता है और प्रदूषण भी बढ़ता जाता है। राजधानी दिल्ली या वित्तीय राजधानी मुंबई की बात समझ में भी आती है लेकिन बिहार के बेगूसराय या मुजफ्फरपुर में प्रदूषण का कोई कारण नहीं है। ये शहर हर साल देश के सबसे प्रदूषित शहरों में जगह पाते हैं। सरकार टियर टू और टियर थ्री के शहरों का विकास करने की बात करती है लेकिन विकास के नाम पर सिर्फ ट्रैफिक बढ़ता है।

गंभीर आर्थिक चुनौतियां

सरकार ने विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवत: चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, सरकार चाहे तो अब भी यह रास्ता अपना सकती है।

हालांकि पुष्टि नहीं हुई है, मगर मीडिया में छपी कई ऐसी रिपोर्टों से देश में व्यग्रता देखी गई है कि केंद्र भारतीय बाजार को चीनी कंपनियों के लिए खोलने जा रहा है। कुछ खबरों के मुताबिक जिन क्षेत्रों को खोला जाएगा, उनमें सरकारी ठेके भी हैं। सरकारी क्षेत्र के ठेके हर वर्ष 700-750 बिलियन डॉलर के होते हैं। यह एक बड़ा बाजार है। कुछ अन्य खबरों में बताया गया है कि सरकार जरूरत के हिसाब से कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उसी अनुपात में चीन भी भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले। बहरहाल, यह मामला सिर्फ व्यापारिक नहीं है। इसीलिए कई हलकों से इन खबरों पर उग्र प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस ने तो इसे गलवाल घाटी के शहीदों का अपमान बताया है। मुमकिन है कि ऐसी प्रतिक्रियाओं के पीछे सियासी मकसद भी हों, लेकिन भारत में मौजूद भावनाओं के मद्देनजर उन्हें बिल्कुल दरकिनार नहीं किया जा सकता। आखिर खुद नरेंद्र मोदी सरकार ने चीन कंपनियों पर प्रतिबंध अप्रैल 2020 के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में उठाया था। तब से चीन से कारोबार के प्रश्न को सत्ताधारी पार्टी और उसके समर्थकों ने भारतीय की राष्ट्रवादी भावनाओं से जोड़ा था। तब से भारत में दो तरह की धारणाएं रही हैं। एक राय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस घोषणा पर आधारित है कि 'भारत की सीमा में ना तो कोई घुसा और ना किसी ने भारत की जमीन पर कब्जा किया है'। दूसरी राय उन खबरों पर आधारित है, जिनमें लगातार बताया गया है कि चीनी फौज लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाकों में घुसी और वहां बफर जोन बनवा कर वापस लौटी।

रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता जाल: क्या अब बड़े सुधारों का समय आ गया है?

पद्मश्री राम सरन वर्मा

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर खेती पर निर्भर है।देश की बढ़ती खाद्य माँग को पूरा करने के उद्देश्य से पिछले कई दशकों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग निरंतर बढ़ाया गया है।शुरुआती दौर में इन उर्वरकों ने उत्पादन बढ़ाने में निश्चित रूप से मदद की, लेकिन आज इनके अंधाधुंध और अनियंत्रित उपयोग के कारण कृषि, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर संकट मंडराने लगा है।

उर्वरकों की खपत के भयावह आंकड़े

देश में रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग का अंदाज़ा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2018-2019 में जहाँ 115 करोड़ बैग की खपत हुई थी, वहीं 2024-25 के दौरान यह आंकड़ा 150 करोड़ बैग को पार कर गया है।गौर करने वाली बात यह है कि भारत की जनसंख्या लगभग 143 करोड़ है, जबकि उर्वरकों की खपत 150 करोड़ बैग से भी अधिक हो चुकी है।यह असंतुलन न केवल चिंताजनक है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़े खतरे का संकेत भी है।

सेहत और मिट्टी पर दोहरी मार

रासायनिक उर्वरकों का असर अब हमारे थाल तक पहुँच चुका है।गेहूँ, चावल, दालें, सब्जियाँ, फल और यहाँ तक कि दूध, दही और घी भी इनके रसायनों से अछूते नहीं रहे हैं।इसके परिणामस्वरूप देश में कैंसर, हृदय घात, एलर्जी और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

खेतों की स्थिति भी कम सोचनीय नहीं है।नियमानुसार, उर्वरकों का उपयोग केवल पौधों की जड़ों के पास होना चाहिए, लेकिन पूरे खेत में इनके छिड़काव से खरपतवार की समस्या बढ़ जाती है।इस खरपतवार को खत्म करने के लिए फिर भारी मात्रा में खरपतवार-नाशक दवाओं का उपयोग होता है, जो मिट्टी की उर्वरता को नष्ट कर देती हैं।मिट्टी की खोई हुई शक्ति वापस पाने के लिए किसान और अधिक खाद डालता है, और यह दुष्चक्र हर साल मिट्टी को और अधिक बंजर बनाता जा रहा है।

अर्थव्यवस्था पर बोझ और कालाबाजारी

उर्वरक क्षेत्र में बढ़ता निवेश देश की अर्थव्यवस्था पर भी भारी पड़ रहा है।वर्तमान में देश में प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख करोड़ रुपये (सब्सिडी सहित) के रासायनिक उर्वरकों का उपयोग हो रहा है।विडंबना यह है कि हमारा उर्वरक उद्योग 80 प्रतिशत तक विदेशी कच्चे माल या आयातित उर्वरकों पर निर्भर है।कुल 3 लाख करोड़ रुपये में से 2.5 लाख करोड़ रुपये केवल आयात में खर्च हो जाते हैं।इस प्रकार, एक ओर हमारी भूमि बंजर हो रही है, तो दूसरी ओर देश की बड़ी पूंजी विदेशों में जा रही है।

सरकार किसानों के कल्याण के लिए भारी सब्सिडी दे रही है।पिछले 10 वर्षों में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी प्रदान की गई है।इसी सब्सिडी के कारण 40 रुपये प्रति किलो वाली यूरिया खाद किसानों को 6 रुपये प्रति किलो से भी कम दाम पर उपलब्ध है।स्थिति यह है कि यूरिया आज पशुओं के चारे से भी सस्ता हो गया है।सरकार 85 से 90 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है ताकि किसानों को यूरिया एक चाय के कप से भी कम कीमत पर मिले।लेकिन इसी कम कीमत का लाभ उठाकर बिचौलिए इसकी कालाबाजारी करते हैं और कृषि के बजाय इसका उपयोग प्लाईवुड कारखानों, कैटल फीड और मिलावटी दूध बनाने में कर रहे हैं।

सुधार की राह और समाधान

इस संकट से उबरने के लिए अब ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।पहले खेतों से निकलने वाले अवशेषों का उपयोग जैविक खाद के रूप में होता था, जिससे मिट्टी का %जैविक कार्बन% बना रहता था।आज इन अवशेषों को बेचने से किसानों को कुछ लाभ तो होता है, लेकिन वह रासायनिक उर्वरकों की वास्तविक लागत के मुकाबले बहुत कम है।

सरकार को चाहिए कि वह रासायनिक उर्वरकों के बैग का वजन कम कर उसकी जगह जैविक खाद के विकल्प उपलब्ध कराए।साथ ही, अत्यधिक उर्वरक उपयोग वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी दल गठित किए जाने चाहिए।

धरती की सेहत सुधारने के लिए जरूरी सुझाव:

1. हरी खाद का अधिक इस्तेमाल: जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग आवश्यक है, उसी तरह से मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए हरी खाद अनिवार्य है।

2. पौधों का विकास: जैविक खाद के प्रयोग से पौधों की जड़ों को फैलने और गहराई तक जाने का पर्याप्त अवसर मिलता है।

3. वैज्ञानिक फसल चक्र: एक ही तरह की फसल बार-बार उगाने के बजाय फसल चक्र बदलें।जैसे दलहनी फसलें जमीन के गहरे स्तर से पोषक तत्व लेती हैं, जबकि गेहूं और धान ऊपरी सतह से।

4. उन्नत सिंचाई तकनीक:ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) अपनाएं और खेती से पहले भूमि को समतल करें।इससे पानी की बचत होगी और उर्वरक सीधे पौधों पर कारगर तरीके से काम करेंगे।

5. यूरिया का कुशल उपयोग:ज्यूरिया का छिड़काव शाम के समय अधिक प्रभावी होता है, जिससे कम खाद में बेहतर परिणाम मिलते हैं।

6. पशुधन और जैविक संतुलन:पशुपालन को बढ़ावा दें ताकि गोबर की खाद का उपयोग बढ़े।इससे उत्पादन क्षमता दीर्घकालिक बनी रहेगी और मिट्टी को भी विश्राम मिलेगा।

यदि हमने आज मिट्टी नहीं बचाई, तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा। समय आ गया है कि हम रसायनों के इस मोह को छोड़कर प्रकृति की ओर लौटें।

कम पढ़ी-लिखी नानी-दादी और मां पैसे को लेकर इतनी समझदार कैसे

मुझे आज भी याद है कि कैसे मेरी नानी उड़द दाल के कंटेनर में कुछ 'चवन्नी', तुअर दाल कंटेनर के नीचे 'अठन्नी' और चावल के डिब्बे में पांच, तीन, दो और एक पैसे के छोटे सिक्के रखती थीं। एक रुपए का सिक्का अकसर पल्लू की गांठ में बांधती थीं। अगर एसएसएलसी परीक्षा की दो रुपए फीस जमा करने का आखिरी दिन होता तो वह तुअर दाल कंटेनर या पल्लू की गांठ खोलकर कुछ सिक्के निकालतीं और बड़े बेटे को देतीं। ताकि वह अच्छेङ्कसे पढ़े, अच्छे नंबरों से पास हो और परिवार की मदद कर सके, जो फिलहाल अकेले नानाजी की तनख्वाह पर जैसेङ्कतैसे चल रहा था।

अगर आप 1940 से 1980 के बीच सीमित आय से जूझते घरों में पले-बढ़े हैं, तो आपको एकाध किस्सा ध्यान होगा- जब अचानक आए किसी जरूरी खर्च में नानी, दादी या मां ही सबसे बड़ा सहारा बनीं। आप सहमत होंगे कि उनमें से ज्यादातर या तो कभी स्कूल नहीं गईं या ड्रॉपआउट थीं। मेरी परनानी कभी स्कूल नहीं गईं। नानी ने पांचवीं में स्कूल छोड़ दिया, क्योंकि 11 की उम्र में उनकी शादी हो गई। मेरी मां का स्कूल भी आठवीं के बाद छुड़वा दिया गया, ताकि उनके भाई की फीस भरी जा सके। इन सबमें एक बात समान थी कि वे सभी तब उनके पास उपलब्ध पैसों को संभालने में बहुत समझदार थीं।

ऐसा कैसे हुआ? इसका जवाब रिसर्च में मिलता है। कनाडा की कार्लटन यूनिवर्सिटी में अकाउंटिंग प्रोफेसर ओरियान कोशक्स ने अपना पूरा करियर ये समझने में लगाया कि बड़ी संस्थाएं वित्तीय हिसाब कैसे रखती हैं। पर छह साल पहले, जब वह मां बनीं तो उनके भीतर कुछ बदल गया। वे घरेलू हिसाब-किताब पर ध्यान देने लगी और पिछले माह उन्होंने रिसर्च पेपर 'क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स ऑफअकाउंटिंग' प्रकाशित किया, जो इस पर था कि मातृत्व कैसे पैसे को लेकर महिलाओं की सोच में बुनियादी बदलाव कर देता है।

बच्चा होने के बाद उन्हें हर वक्त उसे गोद में रखना पड़ता था। इसीलिए वो नए-नए बेबी कैरियर्स लेने लगीं, क्योंकि पुराने कैरियर्स में बच्चे को लेकर रसोई का काम असहज हो रहा था। तीसरा कैरियर खरीदते समय उन्हें महसूस हुआ कि यह खर्चा बच्चे के लिए नहीं, बल्कि खुद उनकी सहूलियत के लिए था। तभी उन्होंने सोचा, 'यह विचार कैसे आया'? यहीं से वह रिसर्च को मजबूर हुईं और उन्होंने छह साल तक कई माताओं के इंटरव्यू किए।

रिसर्च के अनुसार ज्यादातर लोग जानते हैं कि मां बनने के बाद बच्चे की देखभाल का जिम्मा प्रमुखत: महिला पर ही होता है तो उनकी कमाई घटती है और करियर की प्रोग्रेस धीमी होती है। यही सोच महिलाओं में यह भावना पैदा करती है कि उन्हें आय का अंतर पाटने के तरीके खोजने होंगे। मातृत्व रोजमर्रा की वित्तीय सोच और व्यवहार को बदलता है। याद कीजिए क्यों महिलाएं अपने जीवनसाथी से बेहतर मोलभाव कर लेती हैं? क्योंकि वे रोजमर्रा की खरीदारी का जिम्मा उठाने लगती है और आयङ्कखर्च का अंतर पाटने के लिए उपलब्ध पैसों में ही ज्यादा चीजें खरीदती हैं। 'अच्छी मां' बनने की समाज की अपेक्षा भी पैसे के प्रति समझदार बनने के उनके व्यवहार को बदलती है।

यही सोच मां बनने के बाद पैसे को लेकर उनके व्यवहार को गढ़ती भी है। इसी से उनके भीतर यह धारणा बनती है कि 'अच्छी मां बनने के लिए आर्थिक त्याग जरूरी है और पैसा बच्चों और उनकी भलाई के लिए समर्पित संसाधन है।' विज्ञान में इसे 'इंटेंसिव मदरिंग' कहते हैं, जिसमें वे यह सुनिश्चित करने के लिए सबकुछ करती हैं कि एक बेहतर मां का काम बच्चों को खुश और स्वस्थ रखने से लेकर उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुंचाना है। समाज आज भी इसे पिता के बजाय मां की जिम्मेदारी मानता है।

फंडा यह है कि रसोई में डिब्बों-बक्सों में पैसे छिपाना स्वार्थ नहीं है, बल्कि यह परिवार की सुरक्षा की भावना विकसित करता है। और यह याद रखना कि किस बैंक (कंटेनर) में कितना पैसा है, उसे कहां खर्च करना हैङ्क ऐसा गुण है, जो ईश्वर ने सिर्फमांओं को ही दिया है।

सू- दोकू क्र. 291

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.290 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

शब्द सामर्थ्य -291

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

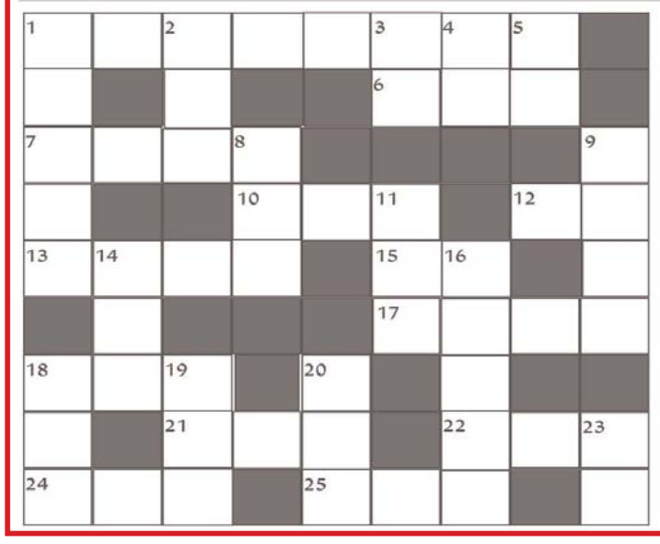

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 290 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

खबर-खास

दुर्ग पुलिस की सख्त कार्यवाही - फर्जी पहचान पर जीरो टॉलरेंस

दुर्ग। शहर में होटल-लॉज में ठहरे संदिग्धों की सघन जाँच में फर्जी आधार कार्ड धारक गिरफ्तार किया है। आरोपी पहचान छुपाकर अन्य व्यक्ति के नाम से निवास करना गंभीर अपराध किया है। आरोपी के कब्जे से फर्जी आधार कार्ड एवं मोबाइल फोन जप्त की गई है। बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध, आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक प्रक्रिया में लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के स्पष्ट निर्देशों के पालन में जिले में होटल, लॉज एवं सार्वजनिक ठहराव स्थलों पर संदिग्ध व्यक्तियों की सघन एवं नियमित जाँच की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 17.01.2026 को थाना सिटी कोतवाली, दुर्ग पुलिस द्वारा होटल न्यू इंडिया के कमरा नंबर 786 में ठहरे व्यक्तियों की पहचान जाँच की गई। जाँच के दौरान एक व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपनी वास्तविक पहचान छुपाकर किसी अन्य व्यक्ति के नाम से जारी आधार कार्ड का उपयोग कर होटल में ठहरना पाया गया, जो कि कानूनन गंभीर अपराध है। पूछताछ में आरोपी द्वारा स्वीकार किया गया कि उसका स्वयं का आधार कार्ड नहीं बना है तथा वह अपने पड़ोसी के आधार कार्ड का दुरुपयोग कर रहा था। उक्त कृत्य से आरोपी द्वारा धोखाधड़ी, छलपूर्वक पहचान परिवर्तन एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास किया गया, जिसे दुर्ग पुलिस ने तत्परता से विफल किया। मामले में थाना सिटी कोतवाली, दुर्ग में अपराध क्रमांक 22/2026, धारा 319(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग पुलिस का स्पष्ट संदेश दिए हैं। होटल, लॉज, धर्मशाला एवं अन्य ठहराव स्थलों में फर्जी पहचान पत्र का उपयोग करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। किसी भी व्यक्ति द्वारा दूसरे के पहचान पत्र का उपयोग करना या अपनी पहचान छुपाना गंभीर अपराध है, जिस पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी। होटल एवं लॉज संचालकों को निर्देशित किया जाता है कि वे अतिथि पंजीकरण एवं पहचान दस्तावेजों की पूरी सतर्कता से जाँच करें, अन्यथा वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। दुर्ग पुलिस कानून व्यवस्था एवं जनसुरक्षा के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है तथा ऐसे तत्वों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

एसपी के निर्देश पर नगरी पुलिस का जागरूकता अभियान - छात्रों को यातायात सुरक्षा, नशा मुक्ति व सायबर ठगी से किया गया अवगत

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशानुसार जिले में जन-जागरूकता अभियानों की श्रृंखला के अंतर्गत थाना प्रभारी नगरी द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरसियां में विद्यार्थियों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को यातायात एवं सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति तथा सायबर ठगी व सायबर अपराध जैसे गंभीर विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी नगरी द्वारा विद्यार्थियों को सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की जानकारी देते हुए बताया गया कि हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति सीमा तथा यातायात नियमों का पालन कर ही सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं नियमों का पालन करें एवं अपने परिजनों व समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें। नशा मुक्ति विषय पर चर्चा करते हुए बताया गया कि नशीले पदार्थ न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाते हैं, बल्कि उसका भविष्य भी अंधकारमय बना देते हैं। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया गया। सायबर ठगी एवं सायबर अपराध के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल, सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन लेन-देन के दौरान सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। अनजान कॉल, लिंक, ओटीपी साझा न करने, फर्जी लॉटरी/इनाम संदेशों से सावधान रहने तथा किसी भी सायबर अपराध की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन नंबर अथवा सायबर क्राइम पोर्टल पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक, अनुशासित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा इस जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की गई। धमतरी पुलिस द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

यातायात पुलिस कांकेर द्वारा परिवहन विभाग के साथ मिलकर गोविंदपुर स्कूल मैदान में स्कूल बसों को चेकिंग किया गया

कांकेर। रविवार को यातायात माह के क्रम में निखिल राखेचा पुलिस अधीक्षक कांकेर के निर्देशानुसार, आकाश श्री माल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भानुप्रतापपुर तथा दिनेश सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस कांकेर के मार्गदर्शन में दीपक साव, रक्षित निरीक्षक यातायात प्रभारी कांकेर व यातायात बल कांकेर के द्वारा आरटीओ ऋषभ नायडू व परिवहन विभाग के टीम के साथ मिलकर शहर में संचालित प्राइवेट स्कूल बसों को गोविंदपुर स्कूल मैदान में बुलवाकर लगभग 55 स्कूल वाहनों का सम्पूर्ण दस्तावेज चेकिंग व वाहन का फिटनेस चेक कर वाहन चालक/ संचालकों को प्रत्येक गाड़ियों में हेल्पर रखने, ओव्हेरलोड नहीं करने, हमेशा निर्धारित वर्दी में रहने, बच्चों को रोड़ क्रास करवाते समय अपने हेल्पर के द्वारा करवाने, वाहन की सभी दस्तावेज हमेशा अपडेट रखने, स्कूल बसों में अग्नि समन यन्त्र रखने, ओव्हर स्पीड नहीं चलने, शराब सेवन कर वाहन नहीं चलाने, किसी भी अज्ञात व्यक्तियों को लिफ्ट ना दे।

सिख धर्म से बिछड़े सिखों की घर वापसी के लिए युथ सिख सेवा समिति करेगी सहयोग : अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह

भिलाई। छत्तीसगढ़ सिख पंचायत एवं यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में गुरुद्वारा श्री गुरु अर्जन देव जी, हाउसिंग बोर्ड में भव्य रूप से गुरु मान्यो ग्रंथ चेतना समागम का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर संत श्री बाबा रणजीत सिंह जी खालसा 'ढडरियांवाले' का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह विशेष रूप से सम्मिलित हुए। समागम के दौरान

सिख समाज की सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने हेतु यूथ सिख सेवा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह , कोषाध्यक्ष मलकित सिंह एवं महासचिव जसवंत सिंह सैनी को संत बाबा रणजीत सिंह खालसा द्वारा सरोपाव भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मंच से बाबा रणजीत सिंह खालसा 'ढडरियांवाले' ने यूथ सिख सेवा समिति द्वारा सिख समाज के उन लोगों की घर वापसी की अपील की पहल की सराहना की, जो विभिन्न कारणों से अन्य धर्म-पंथों में धर्मान्तरित हो चुके हैं। उन्होंने सिख समाज से इस विषय पर जागरूक होने, समाज को एकजुट रखने एवं गुरमत के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

साथ ही यह भी संदेश दिया गया कि यदि ऐसे परिवार या व्यक्ति पुन: सिख धर्म में घर वापसी करते हैं, तो यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई उन्हें सामाजिक, धार्मिक एवं मानवीय स्तर पर हर संभव सहयोग एवं सहायता प्रदान करेगी, ताकि वे सम्मानपूर्वक एवं सहज रूप से समाज से पुन: जुड़ सकें।

सोने के सिक्के के मामले में एसएसपी ने किया आरोपियों पर ईनाम की घोषणा

जशपुर। सोने के सिक्के की चोरी के मामले में पुलिस ने उठाया बड़ा कदम है। SSP ने की जारी ,ईनाम की उद्घोषणा किया गया हैं, फरार आरोपियों की सूचना व गिरफ्तारी में सहयोग देने वाले को दिया जाएगा 10 हजार रु का ईनाम दिया जाएगा। चार आरोपी हैं फरार, नाम फरार आरोपी जिनके लिए जारी की गई है उद्घोषणा,क्रमश: - 1. अविनाश राम प्रधान पिता जय राम प्रधान उम्र 27 वर्ष निवासी पुरना नगर, रानी बगीचा जशपुर थाना जशपुर (छ ग) 2.घनश्याम प्रधान पिता बालमोहन प्रधान, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम जुड़वाइन, अंबाटोली, चौकी आरा, हाल मुकाम बांकी टोली, थाना जशपुर (छ ग) 3. अनमोल भगत पिता सीता राम भगत उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम आरा, थाना जशपुर (छ ग) 4. विजय बसंत बड़ाईक पिता जोगेश्वर बड़ाईक उम्र 39 वर्ष, निवासी ग्राम झीरपानी , थाना झीरपानी, जिला सुंदरगढ़, उड़ीसा है। मिली जानकारी के अनुसार 06.12.25 को प्रार्थिया सुषमा निकुंज पति विजय कुमार निकुंज उम्र 52 वर्ष निवासी, ग्राम केराडीह रैनीडांड, थाना नारायणपुर हाल मुकाम हाउसिंग बोर्ड कालोनी जशपुर के द्वारा थाना नारायणपुर में अपने केराडीह रैनीडांड स्थित निवास से 15लाख रुपए नगद व सोने के सिक्के के चोरी के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था, जिस पर पुलिस के द्वारा थाना नारायणपुर में अपराध क्रमांक 114/2025, धारा 331 (4), 305(ए),3(5) बी एन एस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया था, पुलिस के द्वारा मामले का खुलासा करते हुए उक्त प्रकरण में प्रार्थिया की भतीजी सहित कुल पांच आरोपियों क्रमश: 1. मिनल निकुंज, 2.अनिल प्रधान,3. अभिषेक इन्दवार,4. लंकेश्वर बड़ाईक व अलीशा भगत को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था।

लापरवाह पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी

जिला पंचायत के सीईओ चंद्राकर ने की आवास योजनाओं की विस्तृत समीक्षा

अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों में तेजी लाने के दिए सख्त निर्देश

गरियाबंद। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में विकासखण्ड मैनपुर, देवभोग एवं फिंगेश्वर के ग्राम पंचायत सचिवों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी), पीएम-जनमन तथा मुख्यमंत्री मितान आवास योजना (एमएमएवाई) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति का आकलन कर एवं निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए निर्देश दिए।

चंद्राकर ने समीक्षा के दौरान पाया कि कई ग्राम पंचायत सचिव आवास निर्माण कार्यों में अपेक्षित रुचि नहीं ले रहे हैं। आवासों के स्थल निरीक्षण, निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग तथा हितग्राहियों को आवास बनाने के लिए प्रेरित नहीं करने की लापरवाही पाई गई। इसके अलावा कुछ ग्राम पंचायत सचिव बिना पूर्व सूचना के बैठक में अनुपस्थित पाए गए, जिसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए ऐसे सभी सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत सचिवों को सख्ती के साथ निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीणों के लिए स्वीकृत आवास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान ग्राम पंचायतवार विस्तृत समीक्षा की गई। जिसके तहत अपूर्ण आवासों के निर्माण कार्य को शीघ्र गति देने तथा अभी तक प्रारंभ नहीं हुए आवासों में तत्काल कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी सचिवों को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। चंद्राकर ने आवास निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। सेंट्रिंग प्लेट, ईंट, सीमेंट, रेत एवं अन्य निर्माण सामग्रियों के साथ-साथ मिस्त्रियों की व्यवस्था तत्काल करने के निर्देश दिए गए ताकि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। सभी सचिवों को यह भी कहा गया कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करें और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर सूचना तुरंत उच्च अधिकारियों को दें। बैठक में उपस्थित जनपद पंचायत के सीईओ एवं विकासखण्ड समन्वयक, पीएमएवाई-जी को भी आवासों की निरंतर मॉनिटरिंग करने एवं प्रगति की अद्यतन रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि योजनाओं की वर्तमान स्थिति पर निगरानी मजबूत करने से कार्य में पारदर्शिता और प्रभावशीलता दोनों बढ़ेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी सचिवों को योजनाओं के लक्ष्य समय पर पूरा करने, हितग्राहियों से सतत संपर्क बनाए रखने तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी पात्र परिवारों को समय पर आवास उपलब्ध कराना ही सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

विधायक की शक्ति योजना के लिए 22 हजार महिलाओं ने भरा फार्म, लोकांगन में उमड़ा कामकाजी महिलाओं का हुजूम

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा में दूसरों के घर झाड़ू, पोंछा, बर्तन मांज कर परिवार के भरण पोषण की अहम् जिम्मेदारी निभा रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने विधायक रिकेश सेन की शक्ति योजना के लिए लगभग 22 हजार महिलाओं ने फार्म जमा किया है। जिसकी स्कूटनी के बाद आज इस योजना का शुभारंभ लोकांगन परिसर वैशाली नगर से होगा। विधायक रिकेश सेन ने बताया कि वैशाली नगर विधानसभा में 'शक्ति योजना' के माध्यम से वो दूसरों के यहां अनेक घरेलु कार्य करने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। शक्ति योजना ऐसी महिलाओं को शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और स्वरोजगार से जोड़ेगी जिससे वो सशक्त और आर्थिक रूप से मजबूत हों। वैशाली नगर क्षेत्र की मेहनतकश महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना ही शक्ति योजना का मुख्य उद्देश्य है। सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण के प्रतीक बन चुके विधायक रिकेश बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखते हुए वैशाली नगर विधानसभा के लिए उन्होंने शक्ति योजना बनाई है। यह पहल न केवल आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को संबल देगी, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान और स्वावलंबन की राह पर भी आगे बढ़ाएगी। शक्ति योजना के लिए हजारों महिलाओं ने फार्म जमा किए हैं जिसकी स्कूटनी और वेरीफिक्रेशन बाद आज लोकांगन परिसर में उनको सूचीबद्ध कर

योजना का शुभारंभ होगा। आत्मसम्मान और स्वावलंबन की राह पर बढ़ेंगे कदम शक्ति योजना से शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्व रोजगार सहायता, बचत योजना, कम्प्यूटर प्रशिक्षण सहित अनेक लाभ कामकाजी महिलाओं को मिलेगा। इस योजना ने ऐसी कामकाजी महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगाई है जो रोज दूसरों के घरों में परिश्रम कर अपने परिवार का सहारा बनी हुई हैं। विधायक की शक्ति योजना के तहत महिलाओं के लिए नि:शुल्क साक्षरता एवं कौशल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। यूपीएससी, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेटियों को विशेष कोचिंग सुविधा मिलेगी। हेल्थ चेकअप मेडिकेयर एम्बुलेंस सुविधा कंप्यूटर, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, कुकिंग और रिपेयरिंग जैसे कोर्सेस में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। उनके लिए नि:शुल्क हेल्थ चेकअप और मेडिकेयर सुविधा होगी। आवश्यकता पड़ने पर बीमार या गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा का लाभ मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को विशेष सहायता राशि और पोषण आहार योजना से जोड़ा जाएगा। वृद्ध एवं विधवा महिलाओं को स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत लाभ दिया जाएगा। मानसिक स्वास्थ्य और आत्मरक्षा के लिए ट्रेनिंग कैंप भी लगाए जाएंगे। शक्ति योजना से पंजीकृत स्वरोजगार के लिए इच्छुक महिलाओं को ऋण और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। घरेलू उद्योग और हस्तशिल्प कार्यों में प्रशिक्षण देकर महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जाएगा।

पीस ऑडिटोरियम में ब्रह्मा बाबा की 57 वीं पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धापूर्वक मनाई गई..

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में संस्था के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा की 57 वीं पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया।

भिलाई सेवाकेंद्रो की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने पिताश्री ब्रह्मा बाबा की मुख्य शिक्षाओं को सुनाते हुए कहा कि सर्व के प्रति निस्वार्थ आत्मिक दृष्टि और कल्याण की भावना रहे। अपकारियों पर उपकार करना है तो संगठन में भी एक दूसरे के प्रति रहम की भावना रहे।

ब्रह्मा बाबा कहते थे व्यर्थ संकल्पों की समाप्ति के लिए, अपने संगठन को शक्तिशाली व एकमत बनाने के (फेथ)विश्वास, दूसरा-समाने की शक्ति चाहिए। संगठन को जोड़ने का धागा है - विश्वास (फेथ)। इसमें समाने की शक्ति ज्यादा चाहिए। व्यर्थ संकल्पों को समाना है।

निराकारी, निरअहंकारी,निर्विकारी पिताश्री ब्रह्मा बाबा के अंतिम महावाक्य थे वे उन महावाक्यों के स्वरूप में स्थित रहकर अपने हर कर्म से सभी को शिक्षा देकर सिखलाते थे।

आज के वरदानी दिवस में सबसे बड़ा पुण्य परमात्मा को याद कर स्वयं को परिवर्तन करना है।

प्रात:काल ब्रह्म मूहर्त से ही सभी श्वेत वस्त्रधारी ब्रह्मा वत्सो ने मौन में रहकर मेडिटेशन रूम(बाबा का कमरा)शांति स्तंभ,पीस ऑडिटोरियम में संगठित रूप से राजयोग मेडिटेशन द्वारा पिताश्री ब्रह्मा बाबा की शिक्षाओं को जीवन में धारण कर स्वयं में परिवर्तन का दृढ़ संकल्प किया। ज्ञात हो की पिताश्री ब्रह्मा बाबा की 57वीं स्मृति दिवस को भिलाई,दुर्ग छत्तीसगढ़ सहित समूचे विश्व के सभी सेवाकेंद्रो में मनाया गया।

सेक्टर-7 भिलाई में 26वां डॉग शो बना आकर्षण का केंद्र, उमड़ा पशु प्रेमियों

भिलाई। छत्तीसगढ़ डॉग लवर्स एसोसिएशन द्वारा सेक्टर-7 ग्राउंड, भिलाई में आयोजित 26वां वार्षिक डॉग शो शहरवासियों के लिए उत्साह, आकर्षण और पशु प्रेम का बड़ा केंद्र बन गया। कार्यक्रम में विभिन्न नस्लों के खूबसूरत और प्रशिक्षित डॉग्स के करतबों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। बड़ी संख्या में पहुंचे पशु प्रेमियों ने पूरे आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया।

इस भव्य आयोजन में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय विशेष रूप से शामिल हुए और डॉग शो का अवलोकन किया। उनके साथ समाजसेवी एवं हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह 'छोटू', वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, रिंकू साहू, स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित प्रतियोगिताओं में डॉग्स की फुर्ती, अनुशासन और प्रशिक्षण का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। खास आकर्षण का केंद्र रहा पुलिस बल के डॉग स्क्वॉड, जिनके प्रशिक्षित श्वानों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कहा कि ये श्वान हमारी सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं।

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम पशु प्रेम, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में पशुओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है और पशु कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ती है। पूरे आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खासा उत्साह देखने को मिला। रंग-बिरंगे स्टॉल, प्रतियोगिताएं और डॉग्स के साथ फोटो लेने की होड़ ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। आयोजकों ने सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और पशु प्रेमियों का आभार जताया। सेक्टर-7 में आयोजित यह 26वां डॉग शो न सिर्फ मनोरंजन बल्कि मानवीय संवेदना और पशु कल्याण का सशक्त संदेश देकर यादगार बन गया।

कूली छात्र/छात्राओ के सुरक्षित परिवहन को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट की गाईड लाईन के अनुसार स्कूल बसों की जांच शिविर

दुर्ग। सड़क सुरक्षा माह 2026 के दौरान रविवार को सुप्रीम कोर्ट के गाईड लाईन के अनुसार स्कूली छात्र छात्राओं के सुरक्षित परिवहन को ध्यान में रखते हुए, यातायात पुलिस दुर्ग एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पुलिस ग्राउण्ड सेक्टर 06 भिलाई में स्कूल बस जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के 06 स्कूलों के छात्र छात्राओं के परिवहन करने वाले 46 बसों का जांच किया गया है। वाहन की जांच शिविर का उददेश्य छात्र छात्राओं का सुरक्षित परिवहन से है।

जांच शिविर के दौरान सर्व प्रथम वाहनों का रजिस्ट्रेशन किया गया तत्पश्चात परिवहन विभाग द्वारा स्कूल बसो के दस्तावेजो की जांच की गई जांच के दौरान वाहन का रजिस्टेशन, परमिट, फिटनेश, बीमा, पीयूसी, रोड टैक्स, वाहन चालक का लायसेंस चेक किया गया। इसके बाद वाहनो का मैकनिकल फिटनेश जांच किया गया जिसके अंतर्गत हेड लाईट, ब्रेक लाईट, पार्किग लाईट, इन्डिकेटर लाईट, बैक लाईट, मीटर, स्टेरिंग की स्थिति, टायर की स्थिति, क्लच, ऐक्सीलेटर, सीट की स्थिति, हॉर्न की स्थिति, वॉयपर एवं वाहन में आगे पीछे रिफ्लेक्टर लगा है कि नहीं चेक किया गया। चेंकिग के क्रम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप जैसे वाहन में जीपीएस, सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गर्वनर, प्रेशर हार्न, आपातकालीन खिडकी, स्कूल का नाम, टेलीफोन नंबर, चालक का मोबाईल नंबर, फर्स्ट ऐड बॉक्स, अग्नि शमन यंत्र, स्कूल बस के आगे पीछे स्कूल बस लिखा है की नहीं चेक किया गया।

जांच के दौरान यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा कुल 10 स्कूली बसो पर चालान करते हुए 3000 रूपये समन शुल्क वसूल किया गया। तत्पशचात चालक परिचालक के स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई जिसमें आंखो की जांच किया गया। जिसमें 05 चालको को आंखो संबंधित शिकायत पाई गई जिन्हे चश्मा लगाने एवं लगे हुवे चश्मे में नंबर बढ़ाने हेतु समझाईस दी गई। जो बसें आज शिविर में जांच हेतु नहीं पहुंचे हैं उन्हें परिवहन के दौरान रोकर जांच की जायेगी।

क्या जूलियन वेबर को गुर सिखाने वाले बरखार्ड बनेंगे भारतीय जेवलिन टीम के नए कोच? ओलंपिक पदक पर नजर

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा की ओलंपिक में दोहरी सफलता के बाद जेवलिन थ्रोअर्स (भाला फेंक) की फैक्ट्री बन चुके भारत में प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक और जर्मनी के दिग्गज कोच सेवाएं ली जा रही हैं। यू हॉन और नीरज की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले क्लास बार्टोनिएट्ज के बाद भारतीय एथलेटिक महासंघ (एएफआई) अब बीते वर्ष 91.51 मीटर भाला फेंकने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर के कोच बरखार्ड लुक्स पर दांव लगाने जा रहा है। बरखार्ड और एएफआई के बीच कुछ दौर की बातचीत हो चुकी है। सब कुछ ठीक रहा तो रियो ओलंपिक चैंपियन थामस रोहलर और बरनार्ड सीफर्ट जैसे जेवलिन थ्रोअरों को प्रशिक्षित कर चुके बरखार्ड जल्द भारतीय जेवलिन थ्रोअरों को प्रशिक्षित करते नजर आएंगे।

जर्मनी को दिलाई हैं विश्वस्तरीय सफलताएं

बरखार्ड जेवलिन थ्रो में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और शीर्ष स्तर के जर्मन थ्रोअरों को विश्व स्तरीय सफलता दिलाने के लिए जाने जाते हैं। वह तकनीक को निखारने और मानसिक तैयारी में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध हैं। बरखार्ड को जर्मन भाला फेंक में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए जाना जाता है। एएफआई के सूत्रों का कहना है कि हमारे पास इस वक्त जेवलिन थ्रो में कई अच्छी प्रतिभाएं हैं। इनके लिए हमें एक से अधिक विदेशी प्रशिक्षक की जरूरत है। इस वक्त हमारे पास सर्गेई माकारोव जेवलिन कोच के रूप में हैं, लेकिन हम दूसरे कोच के रूप में बरखार्ड को बुलाने जा रहे हैं। हमें उम्मीद है कि उनके साथ हमारा अनुबंध जल्द सिरे चढ़ जाएगा।

नीरज अपना कोच खुद तय करेंगे

यह तय नहीं है कि बरखार्ड नीरज के साथ जुड़ेंगे। सूत्रों का कहना है कि नीरज को अपना कोच तय करने के लिए स्वतंत्र किया गया है। यह उनकी इच्छा पर निर्भर है कि वह किस कोच के साथ तैयारियां करेंगे। अभी उन्होंने अपने पुराने कोच जय चौधरी के साथ कोचिंग का फैसला किया है। अगर वह निकट भविष्य में किसी विदेशी कोच की मांग करेंगे तो उसे पूरा कराया जाएगा। बरखार्ड की सेवाएं फिलहाल जूनियर जेवलिन थ्रोअरों और अन्य उभरते थ्रोअरों के लिए ली जाएंगी। बरखार्ड ने वेबर को जर्मनी के पॉट्सडेम में तैयारियां कराईं और बीते वर्ष पहली बार उन्हें 90 मीटर की दूरी पार करवाई।

श्रीलंकाई बल्लेबाज का नया कीर्तिमान, तोड़ा 8 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड

विंडहोक (नामीबिया)। श्रीलंका के विरान चामुदिथा ने शनिवार, 17 जनवरी को जापान के खिलाफ मैच के दौरान अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रच दिया. चामुदिथा ने 192 रन बनाए, जो अंडर 19 वर्ल्ड कप के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है. इसके साथ 17 वर्षीय ओपनर चामुदिथा ने 2018 में केन्या के खिलाफ बनाए गए श्रीलंका के अपने ही देश के हसिथा बोयागोडा के 191 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया. चामुदिथा ने अपने पारी में 26 चौके और एक छक्का लगाया. खास बात ये है कि चामुदिथा ने अब तक 17 यूथ वनडे खेले हैं और यह इस फॉर्मेट में उनका पहला शतक था. इस पारी से पहले उनके नाम तीन अर्धशतक थे.

टॉप-10 कंपनियों में 3 की वैल्यू 75,855 करोड़ बढ़ी:शेयर बाजार से एफआईआई ने 22,530 करोड़ निकाले

2 लाख तक का मुनाफा हो सकता है टैक्स फ्री

नई दिल्ली। मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 3 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 75,855.43 करोड़ रुपए बढ़ गई। इस दौरान देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एफआईआई की वैल्यू सबसे ज्यादा बढ़ी है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में एफआईआई की बिकवाली का दौर नए साल में भी जारी है। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही जनवरी के पहले 15 दिनों में विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजार से ?22,530 करोड़ के शेयर बेच दिए हैं।

1. टॉप-10 कंपनियों में 3 की वैल्यू 75,855 करोड़ बढ़ी: एफआईआईटॉप गेनर रही, इसकी वैल्यू ?39,045 करोड़ बढ़ी; इंफोसिस का मार्केट कैप भी बढ़ा

मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 3 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 75,855.43 करोड़ रुपए बढ़ गई। इस दौरान देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एफआईआई की वैल्यू सबसे ज्यादा बढ़ी है। एफआईआई का मार्केट कैप 39,045.51 करोड़ रुपए बढ़कर 9.62 लाख करोड़ हो गया है। इंफोसिस की मार्केट वैल्यू 31,014.59 करोड़ बढ़कर 7.01 लाख करोड़ पहुंच गई है। वहीं ICICI बैंक का मार्केट कैप 5,795.33 करोड़ रुपए बढ़कर 10.09 लाख करोड़ हो गया है।

2. शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों ने ?22,530 करोड़ निकाले: जनवरी के पहले 15 दिन में बिकवाली; मार्केट की हाई वैल्यूएशन और कमजोर रुपया इसका कारण

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दौर नए साल में भी जारी है। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही जनवरी के पहले 15 दिनों में विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजार से 22,530 करोड़ के शेयर बेच दिए हैं। पिछले हफ्ते केवल चार कारोबारी सत्रों में ही विदेशी निवेशकों ने 14,266 करोड़ की बिकवाली की।

छुट्टी की वजह से पिछला हफ्ता छोटा था, इसके बावजूद बिकवाली की रफ्तार बहुत तेज रही। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक ग्लोबल लेवल पर बढ़ते तनाव और भारत में शेयरों की ऊंची वैल्यूएशन के कारण विदेशी निवेशक अपना पैसा निकाल रहे हैं।

3. निवेशकों की बजट 2026 से 3 बड़ी उम्मीदें: 2 लाख तक का मुनाफा हो सकता है टैक्स फ्री; ट्रांजेक्शन टैक्स और STCG घटाने का सुझाव

अगले महीने पेश होने वाले केंद्रीय बजट 2026 से पहले शेयर बाजार के निवेशकों और एक्सपर्ट्स ने सरकार के सामने अपनी मांगों की लिस्ट रख दी है। बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटेल इन्वेस्टर्स को प्रोत्साहित करने के लिए लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर मिलने वाली टैक्स छूट की सीमा को बढ़ाया जाना चाहिए। फिलहाल साल भर में 1.25 लाख रुपए तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता, जिसे बढ़ाकर 2 लाख रुपए करने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, निवेशक सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन की ऊंची दरों को लेकर भी चिंतित हैं। बाजार का मानना है कि ट्रांजेक्शन पर लगने वाले टैक्स को कम करने से लिक्विडिटी बढ़ेगी और ज्यादा से ज्यादा लोग शेयर बाजार से जुड़ सकेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन कल से; जोकोविच की निगाह 25वें ग्रैंडस्लैम पर, अल्काराज-सिनर से मिलेगी टक्कर

मेलबर्न। नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपना 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने में सफल रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वह कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रहेंगे।

जोकोविच पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन वह अल्काराज और सिनर की चुनौती से पार पाने में असफल रहे थे। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक बार फिर से यह दोनों युवा खिलाड़ी उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। जोकोविच ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन की पूर्व संध्या पर कहा, '2025 में मैंने सिनर या अल्काराज़ के खिलाफ खेले गए चार ग्रैंड स्लैम मैच में से तीन में हार का सामना किया।' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'हमें उनकी ज्यादा तारीफ करने की जरूरत नहीं है। उनकी तारीफ पहले ही काफी हो चुकी है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वे उस मुकाम के हकदार हैं जहां वे अभी हैं। वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं।'

फिट रहना चाहते हैं जोकोविच

जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब की तलाश में तीसरा सत्र शुरू कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव किया है। उन्होंने अपने एकमात्र निर्धारित अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया, क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहते हैं।

जोकोविच ने 2023 में जीता था पिछला खिताब

यह 38 वर्षीय खिलाड़ी खुद को मुकाबले में बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। जोकोविच ने आखिरी बार 2023 में अमेरिकी ओपन के रूप में कोई ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। तब से सिनर और अल्काराज़ ने आठ खिताब आपस में बांटे हैं। सिनर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पिछले दो बार के चैंपियन हैं जबकि अल्काराज मेलबर्न पार्क में खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

सिनर और अल्काराज फॉर्म में चल रहे

जोकोविच ने पिछले साल इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अल्काराज को हराया था लेकिन सेमीफाइनल में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा था। जोकोविच ने कहा, 'सिनर और अल्काराज इस समय बाकी सभी खिलाड़ियों से बिल्कुल अलग स्तर पर खेल रहे हैं। यह एक सच्चाई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी और के पास कोई मौका नहीं है। मुझे हमेशा अपनी जीत की उम्मीद रहती है।' दस बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच सोमवार को रॉड लेवर एरिना में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

ब्लिचफेल्ट का फिर फूटा गुस्सा, भारत में विश्व चैंपियनशिप होने पर क्या बोलीं डेनमार्क की खिलाड़ी?

नई दिल्ली। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और विश्व नंबर 20 मिया ब्लिचफेल्ट ने भारत ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं और हालात को लेकर एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों को अस्वीकार्य और बेहद गैर-पेशेवर बताते हुए कहा कि ऐसे हालात में यहाँ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन होना बहुत मुश्किल नजर आता है।

ब्लिचफेल्ट ने सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

भारत ओपन पहली बार नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन अगस्त में होने वाली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इससे पहले यह टूर्नामेंट केडी जाधव इंडोर हॉल में होता था। ब्लिचफेल्ट ने टूर्नामेंट के पहले दिन ही अस्वस्थ परिस्थितियों की आलोचना की थी। दूसरे दौर में बाहर होने के बाद भारत से लौटते समय उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'भारत में बीते कुछ दिन बहुत मुश्किल रहे, मेरी उम्मीद से भी ज्यादा। मैंने मानसिक रूप से खुद को सबसे बुरे हालात के लिए तैयार किया था, लेकिन जो परिस्थितियां हमें मिलीं, वे बिल्कुल अस्वीकार्य और बेहद गैर-पेशेवर हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ी यहां प्रदर्शन करने और अपनी तैयारी पर ध्यान देने आते हैं, लेकिन मौजूदा हालात में केवल खेल पर फोकस करना बेहद कठिन हो जाता है। ब्लिचफेल्ट ने कहा, 'एक वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में हर कोई तनाव और निराशा महसूस कर रहा है। शुरू में आप इसे मज़ाक में लेते हैं, लेकिन आखिरकार यह न तो मज़ेदार है और न ही खिलाड़ियों के लिए उचित।'

इन घटनाओं के कारण उठे सवाल

टूर्नामेंट के दौरान कई और घटनाएं भी सामने आईं। स्टैंड्स में बंदर दिखना, पक्षियों की बीट से खेल में बाधा और खिलाड़ियों द्वारा अत्यधिक प्रदूषण की शिकायतें। ब्लिचफेल्ट ने लिखा, 'मुझे खुशी है कि अब इस मुद्दे पर ध्यान दिया जा रहा है और मुझे उम्मीद है कि अगर हमें भविष्य में भारत में खेलना है तो खिलाड़ियों के लिए बेहतर परिस्थितियाँ सुनिश्चित की जाएंगी। मौजूदा हालात में मुझे सच में समझ नहीं आता कि यहाँ विश्व चैंपियनशिप कैसे आयोजित की जा सकती है।'

उन्होंने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) से खिलाड़ियों की सुरक्षा और बेहतर इंतजाम सुनिश्चित करने की अपील भी की। इस पूरे विवाद के बाद बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बाई) और बीडब्ल्यूएफ की ओर से कई बयान जारी किए गए। गुरुवार को बीडब्ल्यूएफ ने एक विस्तृत बयान में खिलाड़ियों की चिंताओं को स्वीकार किया। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, 'मौसमी परिस्थितियों, जैसे धुंध, ठंड और इसके कारण वायु गुणवत्ता व तापमान में बदलाव, ने इस सप्ताह चुनौतियां पैदा की हैं। हालांकि, हमारे आकलन के अनुसार इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, केडी जाधव स्टेडियम की तुलना में बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान करता है।'

विश्व चैंपियनशिप से पहले होगा सुधार

बीडब्ल्यूएफने यह भी माना कि साफ-सफाई, स्वच्छता और जानवरों के नियंत्रण जैसे कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत थी, लेकिन बाई ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए तुरंत कदम उठाए। संस्था ने दोहराया कि केडी जाधव स्टेडियम से हटकर नए स्थल पर आने का फैसला अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए किया गया था। बीडब्ल्यूएफने भरोसा दिलाया कि खिलाड़ियों से मिले फीडबैक के आधार पर अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले और सुधार किए जाएंगे, जब मौसमी समस्याएं भी कम रहने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला टीम का हुआ ऐलान, इस खिलाड़ी की हुई वापसी

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है. जिसमें स्पिनर श्रेयंका पाटिल लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद टी20 टीम में वापसी कर रही हैं. भारतीय टीम इस दौरे पर तीन टी20 मैच, तीन वनडे इंटरनेशनल और एक टेस्ट मैच खेलेगी. जो 15 फरवरी से शुरू होगी.

हरमनप्रीत कौर वनडे और टी20 दोनों फॉर्मेट में भारत की कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान बनी रहेंगी, वहीं टेस्ट टीम की घोषणा बाद में की जाएगी. भारतीय महिला और ऑस्ट्रेलियाई महिला के बीच टूर्नामेंट 15 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक चलेगा. दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से होगी, जिसका पहला मैच 15 फरवरी को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर होगा, इसके बाद दूसरा टी20 मैच 19 फरवरी को कैनबरा के मनुका ओवल में और तीसरा मैच 21 फरवरी को एडिलेड ओवल में होगा.

टी20 के बाद, ध्यान वनडे सीरीज पर जाएगा, जो 24 फरवरी को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में शुरू होगी. इसके बाद टीमें दूसरे और तीसरे वनडे के लिए होबार्ट के बेलेरिव ओवल जाएंगी, जो क्रमशः 27 फरवरी और 1 मार्च को होने हैं. दौरे का समापन प्रतिष्ठित एकमात्र टेस्ट मैच के साथ होगा, जो 6 से 9 मार्च तक पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा. श्रेयंका, जिन्होंने आखिरी बार 2024 टी20 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, अपनी पिंडली, कलाई और अंगूठे में चोटों के कारण लगभग 14 महीने तक बाहर रहने के बाद टी20 टीम में वापसी कर रही हैं. ऋचा घोष और जी कमलिनी को सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों के लिए विकेटकीपिंग विकल्प के रूप में नामित किया गया है.

भारतीय महिला की टी20 टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, श्रेयंका पाटिल

भारतीय महिला की वनडे टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल।

बच्चों के नाम 10,000 सालाना निवेश पर मिलेंगे 11 करोड़

नई दिल्ली। अगर आप अपने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए छोटी रकम से बड़ा फंड बनाना चाहते हैं, तो सरकार की 'NPS वात्सल्य' स्कीम आपके लिए एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है। इस सरकारी स्कीम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें लंबे समय तक निवेश करने पर कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है।

गर आप अपने बच्चे के नाम पर हर साल 10,000 जमा करते हैं, तो बच्चे के रिटायरमेंट की उम्र तक 11 करोड़ तक का बड़ा फंड तैयार हो सकता है। इस स्कीम में जमा किया गया पैसा एक्सपर्ट्स द्वारा गवर्नमेंट सिक्योरिटी, कॉर्पोरेट डेट और शेयर बाजार (इक्विटी) में निवेश किया जाता है। यह सरकारी नेशनल पेंशन सिस्टम की नई स्कीम है, जिसे सितंबर 2024 में लॉन्च किया गया था। स्कीम में माता-पिता अपने 18 साल से कम उम्र के बच्चे के नाम पर निवेश कर सकते हैं।

इसमें सालाना कम से कम 250 जमा करना जरूरी है, अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। बच्चे की उम्र 18 साल होते ही यह खाता रेगुलर NPS पेंशन खाते में बदल जाएगा।

स्कीम में पैरेंट्स अपने हिसाब से बच्चों के लिए निवेश के विकल्प चुन सकता है। वे खुद तय करें कि कितना पैसा इक्विटी, डेट या सरकारी बॉन्ड में लगे।

अगर आप बच्चे के नाम पर हर साल 10,000 (यानी महीने के सिर्फ 834) जमा करते हैं तो रिटायरमेंट की उम्र (60 साल) तक रेगुलर NPS में निवेश जारी रखने पर आप इतना फंड जुटा सकते हैं।

एग्रेसिव- इसमें आपका पैसा 75% इक्विटी में निवेश किया जाता है। इसलिए इसमें जोखिम और रिटर्न दोनों ज्यादा होते हैं।

मॉडरेट- इसमें आपका पैसा 50% इक्विटी में निवेश किया जाता है। इसलिए इसमें जोखिम और रिटर्न मध्यम होते हैं।

कंजर्वेटिव- इसमें आपका पैसा 25 प्रतिशत इक्विटी में निवेश किया जाता है। इसलिए इसमें जोखिम और रिटर्न कम होते हैं।

इसके अलावा आप एक्टिव चॉइस का विकल्प चुन कर अपने हिसाब से इक्विटी में निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में कोई भी भारतीय जिसके बच्चे की उम्र 18 साल से कम हो, वह निवेश कर सकता है। इसके लिए बच्चे के पास पैन और आधार कार्ड होना जरूरी है।

इस कार पर मिल रही बंपर छूट, जनवरी में कार खरीदने पर 1 लाख रुपए तक की बचत; सेफ्टी में भी है नंबर वन

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में वोक्सवैगन ने नए साल की शुरुआत धमाकेदार ऑफर्स के साथ की है। कंपनी अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी टाइगुन पर जनवरी 2026 में भारी डिस्काउंट दे रही है। अगर आप इस महीने नई गाड़ी घर लाने की सोच रहे हैं, तो यह आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है। कंपनी इस समय टाइगुन के अलग-अलग वेरिएंट्स पर ग्राहकों को 1 लाख रुपये तक की बचत का मौका दे रही है, जिससे इसका मुकाबला हुंडई क्रेटा और किआ सेल्टोस जैसी गाड़ियों से और कड़ा हो गया है।

एंट्री-लेवल वेरिएंट पर मिल रहा सबसे ज्यादा फायदा

डिस्काउंट ऑफर्स पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा फायदा उन ग्राहकों को होगा जो टाइगुन का एंट्री-लेवल वेरिएंट 'कम्फर्टलाइन एमटी' (एमवाई2025) खरीदना चाहते हैं। इस वेरिएंट पर कुल मिलाकर 1.04 लाख रुपये तक की छूट दी जा रही है। वहीं, हाईलाइन प्लस एटी वेरिएंट पर भी करीब 1 लाख रुपये का डिस्काउंट उपलब्ध है। इसके अलावा, अगर आप स्पोर्टी लुक के दीवाने हैं, तो जीटी लाइन एटी वेरिएंट पर लगभग 80,000 रुपये तक की राहत मिल सकती है।

टॉप मॉडल पर एक्सचेंज बोनस और इंजन में बदलाव

कंपनी अपने 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन वाले टॉप वेरिएंट्स पर भी मेहरबान है। जीटी प्लस क्रोम डीएसजी और जीटी प्लस स्पोर्ट डीएसजी खरीदने पर ग्राहकों को 50,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस मिल सकता है। फिलहाल टाइगुन की एक्स-शोरूम कीमत 11.42 लाख रुपये से शुरू होकर 19.19 लाख रुपये तक जाती है। एक अहम बदलाव यह भी है कि कंपनी ने अब 1.5 लीटर टर्बो इंजन के साथ मैनुअल गियरबॉक्स देना बंद कर दिया है, यानी यह दमदार इंजन अब सिर्फ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में ही उपलब्ध होगा।

सेफ्टी में 5-स्टार रेटिंग और प्रीमियम फीचर्स

इंजन और फीचर्स के लिहाज से टाइगुन जीटी लाइन में 1.0 लीटर थ्री-सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलता है, जबकि जीटी प्लस स्पोर्ट में ज्यादा पावरफुल 1.5 लीटर फोर-सिलेंडर इंजन दिया गया है। इस एसयूवी का स्पोर्टी लुक, रेड जीटी बैज, ब्लैक एलईडी हेडलैंप, रेड ब्रेक कैलिपर्स और अंदर की तरफ रेड स्टिचिंग वाली ब्लैक सीटें इसे प्रीमियम फील देती हैं। सुरक्षा के मामले में भी यह गाड़ी बेमिसाल है, जिसे ग्लोबल क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। यह रेटिंग इसे अपने सेगमेंट की सबसे सुरक्षित कारों में शामिल करती है।

मैं मुस्लिम, रामायण हिंदू..

AR Rehman ने रणबीर कपूर की फिल्म में काम करने को लेकर कही बड़ी बात

ऑस्कर विनर म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान ने हाल ही में मुस्लिम होने के बावजूद फिल्म निर्माता नितेश तिवारी की अपकमिंग महाकाव्य फिल्म रामायण में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया।

एआर रहमान ने साफ किया कि कला और ज्ञान को धार्मिक सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता। इस प्रोजेक्ट में ऑस्कर विजेता संगीतकार हंस जिमर के साथ काम कर रहे संगीतकार ने बताया कि उनकी परवरिश ने उन्हें बचपन से ही भारतीय महाकाव्यों से परिचित कराया।

8 साल से नहीं मिला काम?

बीते दिनों हमने आपको बताया था कि एआर रहमान ने कहा था कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में उन्हें पिछले 8 सालों से काम नहीं मिला है और इसकी वजह उन्होंने इंडस्ट्री में होने वाली राजनीति को बताया था। सिंगर ने अपने करियर और धार्मिक विश्वास को लेकर कई सारी बातें कीं। हाल ही में हुई एक बातचीत में, रहमान ने रामायण में अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए आस्था और पहचान से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने धार्मिक विभाजन और छोटी सोच से ऊपर उठने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ब्राह्मण स्कूल में की पढ़ाई

रहमान ने कहा, 'मैंने एक ब्राह्मण स्कूल में पढ़ाई की है, और हर साल हमारे यहां रामायण और महाभारत पढ़ाया जाता था, इसलिए मैं कहानी जानता हूं।' रहमान ने कहा कि समाज को छोटी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें संकीर्ण मानसिकता और स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। जब हम ऊपर उठते हैं, तो हम तेजस्वी हो जाते हैं, और यह बहुत महत्वपूर्ण है।' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें रामाण जैसे प्रोजेक्ट का हिस्सा होने पर गर्व है जो वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करता है। रहमान ने कहा, 'हंस जिमर यहूदी हैं, मैं मुसलमान हूं, और रामायण हिंदू धर्म पर आधारित है। यह भारत से पूरी दुनिया के लिए प्रेम के साथ आ रहा है। जिन लोगों को जानकारी नहीं है, उन्हें बता दें कि मद्रास में दिलीप कुमार राजगोपाला के रूप में जन्मे रहमान ने 1989 में इस्लाम धर्म अपना लिया था।

Dhanush के साथ शादी की खबरों पर Mrunal Thakur का जवाब, कहा- 'लोग कुछ भी...'

सेलिब्रिटी की शादियों को लेकर अफवाहें अक्सर तथ्यों से ज्यादा तेजी से फैलती हैं। इस बार मृणाल ठाकुर और धनुष इसका केंद्र बने। सुबह ये खबर आई कि कपल वैलेंटाइन्स डे के मौके पर 14 फरवरी को सात फेरे लेने वाले हैं। हालांकि मृणाल ने फैंस के दिल में ये खुशी ज्यादा देर टिकने नहीं दी। फैंस को अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। हिन्दुस्तान टाइम्स ने एक्ट्रेस के करीबी से संपर्क किया जहां उन्होंने शादी की अफवाह को पूरी तरह से नकार दिया है।

क्या वाकई शादी कर रहे मृणाल और धनुष?

अभिनेत्री के करीबी एक सूत्र ने स्पष्ट किया कि शादी की खबरों में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा- 'मृणाल अगले महीने शादी नहीं कर रही हैं। यह एक अफवाह है जो बेवजह फैल रही है।' इस तरह कपल की शादी को लेकर उत्साहित फैंस की खुशी पल में छूमंतर हो गई। उन्होंने आगे बताया कि शादी की जो तारीख बताई जा रही है उस दौरान मृणाल की 'दो दीवाने शहर में'में रिलीज होने वाली है। इस मूवी में वो सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी। इस वजह से इस बात की और भी पुष्टि नहीं होती। इसके बाद मार्च में उनकी एक तेलुगु फिल्म रिलीज होने वाली है।

Don लौट आया!

रणवीर के आउट होते ही Shah Rukh Khan ने 'डॉन 3' के लिए बोला हां, सिर्फ एक शर्त पर करेंगे फिल्म?

फरहान अख्तर की सुपरहिट फ्रेंचाइजी डॉन के तीसरे पार्ट को लेकर एक्साइटमेंट तो बहुत है, लेकिन यह फिल्म शुरू ही नहीं हो पा रही है। पहले रणवीर सिंह शाह रुख खान को रिप्लेस कर डॉन बनने वाले थे, लेकिन धुरंधर की रिलीज के बाद एक्टर के भी डॉन 3 छोड़ने की खबरें आने लगीं। फिर एक और एक्टर को फिल्म के लिए अप्रोच किया गया। मगर अब खबर है कि मेकर्स की आखिरी सुई अब असली डॉन यानी शाह रुख खान पर अटक गई है। इसका मतलब डॉन 3 में भी शाह रुख ही गैंगस्टर बनकर धमाल मचाने वाले हैं, लेकिन सिर्फ एक शर्त पर। ऐसी चर्चा है कि शाह रुख खान ने फरहान अख्तर के सामने एक शर्त रखी है और वह उसी शर्त पर डॉन 3 करेंगे।

शाह रुख की डॉन 3 में वापसी?

टेलीचक्कर की रिपोर्ट की मानें तो शाह रुख खान डॉन 3 करने के लिए मान गए हैं और अपने आइकॉनिक रोल में वापसी के लिए एक्साइटेड भी हैं। हालांकि, उन्होंने फरहान अख्तर के सामने एक शर्त रख दी है जो उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान के डायरेक्टर एटली से जुड़ी है।

शाह रुख ने डॉन 3 के लिए क्या रखी शर्त?

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि शाह रुख तभी डॉन 3 का हिस्सा बनेंगे, जब एटली को फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि एक्टर फिल्म का स्केल और दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ाने के लिए एटली को शामिल करने की बात कह रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई फाइनल फैसला नहीं लिया गया है। मेकर्स और स्टार्स की तरफ से भी इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में दैनिक जागरण इसका दावा नहीं करता है।

डॉन-डॉन 2 से धमाल मचा चुके हैं शाह रुख

बात करें डॉन 3 की तो यह फरहान अख्तर की हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। डॉन और डॉन 2 में शाह रुख खान ने अपने आइकॉनिक रोल्स से दर्शकों का दिल चुरा लिया था। हालांकि, तीसरे पार्ट में रणवीर सिंह उनकी जगह लेने वाले थे लेकिन अब उनका पत्ता भी कट गया है। यह भी कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन डॉन 3 में आ सकते हैं। अब देखते हैं कि शाह रुख की फिल्म में वापसी होती है या नहीं।

करिश्मा कपूर को SC का नोटिस

दिखाने होंगे तलाक के कागज, संजय कपूर की बहन ने प्रिया सचदेव को फटकारा

संजय कपूर की दोनों पत्नियों- एक्स वाइफ करिश्मा कपूर और तीसरी पत्नी प्रिया कपूर के बीच कानूनी विवाद चल रहा है। संजय की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर विवाद है, जिसमें कोर्ट ने करिश्मा को तलाक के रिकॉर्ड दिखाने को कहा है। कोर्ट ने प्रिया कपूर की याचिका पर जवाब मांगा है।

कोर्ट ने करिश्मा कपूर से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने एक्ट्रेस करिश्मा कपूर को नोटिस जारी कर प्रिया कपूर की उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें उन्होंने संजय कपूर से 2016 में हुए करिश्मा के तलाक के रिकॉर्ड मांगे हैं। प्रिया कपूर दिवंगत संजय कपूर की तीसरी पत्नी हैं और फिलहाल करिश्मा कपूर के बच्चों के साथ अपने पति की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। सुनवाई के दौरान करिश्मा कपूर के वकील ने याचिका का कड़ा विरोध करते हुए इसे बेबुनियाद और निजी कहा। न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई करते हुए करिश्मा को अपनी आपत्ति बताने के लिए

कहा और उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया।

प्रिया ने करिश्मा से की डिमांड

प्रिया ने अपने आवेदन में करिश्मा और संजय के तलाक के कागज दिखाने को कहा है। ताकि उनके दिवंगत पूर्व पति द्वारा किए गए दावों और बच्चों पर खर्च की व्यवस्थाओं का पता लगाया जा सके। इस मामले में संजय कपूर की बहन मंधिरा कपूर स्मिथ ने कहा, 'यह सब मामले से ध्यान भटकाने की कोशिश है। पहली बात तो यह है कि अगर मेरे भाई को यह बात उनसे शेयर करनी होती, तो वे शादी के दौरान ही कर देते। इसलिए, मुझे समझ नहीं आता कि वह यह सब क्यों कर रही हैं।'

संजय कपूर की बहन भी बोलीं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि तलाक गोपनीय मामला होता है। करिश्मा और संजय के बच्चे हैं। ऐसा नहीं है कि बिना बच्चों के तलाक हो जाता है। मुझे नहीं लगता कि यह किसी और का निजी मामला है, सिवाय उन दो लोगों के जो इसमें शामिल हैं।'

TMKOC में पत्रकार पोपटलाल की होगी शादी!

तारक मेहता का उल्टा चश्मा ' पिंक सिटी जयपुर की में मजेदार एपिसोड के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में, पूरी कास्ट ने पहली बार जयपुर में कुछ एपिसोड की शूटिंग की। शहर की संस्कृति और सेलिब्रेशन का माहौल हर किसी को पसंदआ रहा है। ये सब पोपटलाल से जुड़ा है। जयपुर के इस एपिसोड में, पोपटलाल, रूपा रतन का परिवार और टप्पू सेना शहर में पहुंचते नजर आएंगे। रूपा को एक रिश्तेदार का फोन आएगा। रिश्तेदार पोपटलाल के लिए एक रिश्ते का प्रस्ताव रखेगा, लेकिन एक शर्त के साथ। होने वाली दुल्हन एक अनोखी शर्त रखेगी। वह कहेगी कि मकर संक्रांति के दौरान जो भी उसकी पतंग काटेगा, वही उससे शादी करेगा। जैसे-जैसे मजा आगे बढ़ता है, पोपटलाल बढ़ती उम्मीदों और चुनौतियों के बीच फंसा हुआ नजर आएगा। हर पल एक नया सरप्राइज लेकर आता है, जिससे दर्शक यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या पोपटलाल आखिरकार मंडप तक पहुंच पाएगा या किस्मत ने कुछ और ही तय कर रखा है। शूटिंग की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, क्योंकि टीम ने असली लोकेशन पर शूटिंग की है। टप्पू सेना से लेकर पोपटलाल तक, जयपुर के लोग अपने पसंदीदा कलाकारों को अपने शहर में शूटिंग करते देखकर बेहद खुश थे।

सलमान खान से लेकर कपिल शर्मा तक, बी प्राक से पहले बिश्नोई गैंग ने इन कलाकारों को दी धमकी

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सिंगर बी प्राक को धमकी दी है। इससे पहले बिश्नोई गैंग ने कई कलाकारों को धमकी दी है। बिश्नोई गैंग ने ज्यादातर धमकी उन कलाकारों को दी है जो सलमान खान से जुड़े हैं।

सिंगर बी प्राक को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने धमकी दी है। धमकी के साथ सिंगर से 10 करोड़ रुपये भी मांग गए हैं। धमकी में कहा गया है 'दस करोड़ दो वरना मिट्टी में मिला देंगे...।' सिंगर बी प्राक को मिली धमकी सिंगर दिलनूर को भेजे गए ऑडियो रिकॉर्डिंग के जरिए दी गई है। सिंगर बी प्राक बॉलीवुड के मशहूर सिंगर हैं। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कई सेलेब्स को धमकी दी है। दिग्गज अभिनेता सलमान खान को बिश्नोई गैंग से लगातार धमकियां मिली हैं। उनके घर पर 14 अप्रैल 2024 को हमला भी हुआ था। इसकी वजह से उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई। बताया जाता है कि सलमान खान ने कथित तौर पर काले हिरण का शिकार किया था जिसकी वजह से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। भोजपुरी स्टार पवन सिंह को सात दिसंबर 2025 को बिश्नोई गैंग से धमकी मिली थी। धमकी में कहा गया था 'सलमान खान के साथ काम न करें।' पवन सिंह 'बिग बॉस' के फाइनल में बतौर मेहमान शामिल होने वाले थे, इससे पहले उन्हें धमकी मिली। धमकी के बाद भी पवन सिंह शो में शामिल हुए थे।

कपिल शर्मा को अगस्त 2025 में बिश्नोई गैंग से धमकी मिली थी। पहले कनाडा में मौजूद उनके कैफे पर हमला हुआ। इसके बाद उनको गैंग से धमकी मिली है। बताया गया कि कॉमेडियन ने सलमान को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 2 में बुलाया था। इसलिए उन्हें धमकी मिली थी। धमकी का ऑडियो सामने आया था, जिसमें कहा गया था 'जो सलमान के साथ काम करेगा वो मरेगा।' 14 दिसंबर 2024 को राजपाल यादव को एक ई-मेल मिला था जिसमें उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। राजपाल यादव ने इसकी शिकायत पुलिस से की थी। अंबोली पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक सदाशिव निकम ने बताया 'मेल भेजने वाले ने बिश्नोई गिरोह का सदस्य होने का दावा किया है।

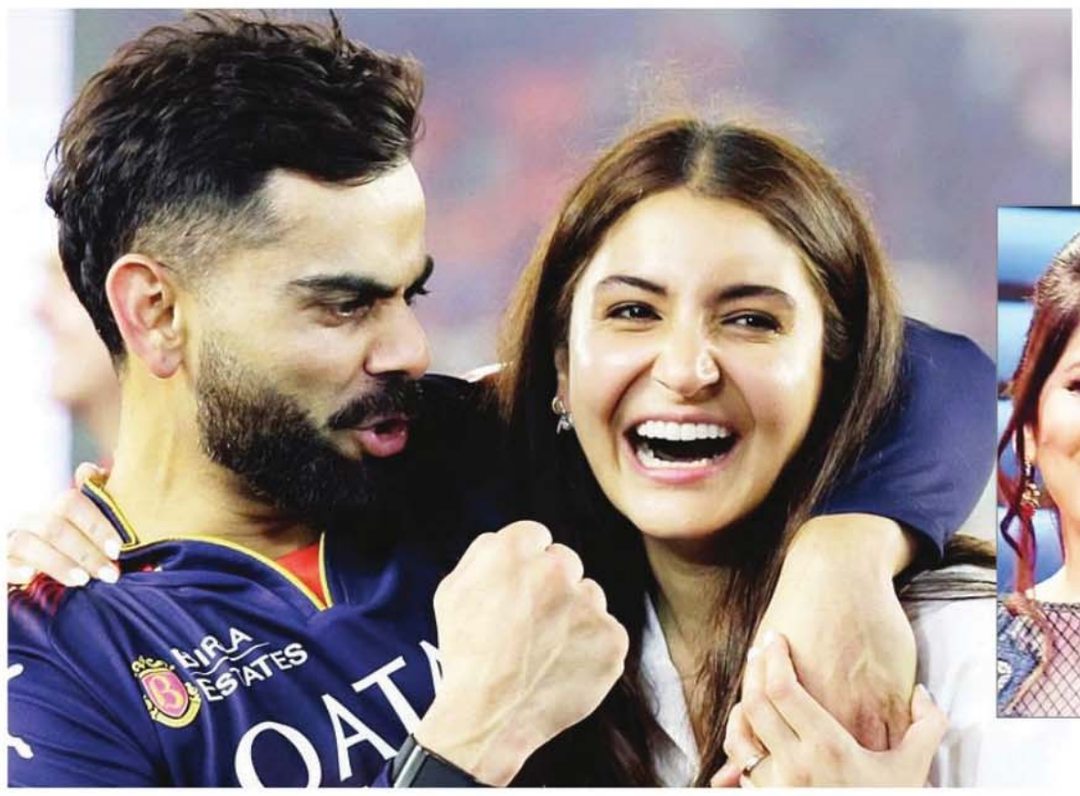

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने अलीबाग में खरीदी 5.1 एकड़ जमीन

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली बॉलीवुड और खेल जगत के चर्चित कपल्स में से एक हैं, जो अक्सर ही किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहते हैं।

अब हाल ही में इस कपल की ओर से खबर सामने आ रही है कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर अलीबाग में एक प्रॉपर्टी खरीदी है, जिसके लिए उन्होंने मोटी रकम अदा की है। लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, विराट-अनुष्का पिछले महीने ट्रिप के दौरान अलीबाग गए थे और तभी इन्होंने एक और प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसका सौदा अब उन्होंने पक्का कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और उनके क्रिकेटर पति ने 5.1 एकड़ जमीन खरीदी है, जिसके लिए उन्होंने लगभग 37.86 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। प्रॉपर्टी के कागजों से यह जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि जीराद गांव में स्थित यह जमीन समीरा लैंड एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक सोनाली अमित राजपूत से खरीदी गई है।

डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स ने पुष्टि की है कि दो जमीनों के इस सौदे का रजिस्ट्रेशन 13 जनवरी को हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, विराट कोहली के भाई विकास कोहली ने उनकी ओर से सारे पेपर वर्क किए। स्टांप ड्यूटी के लिए लगभग 2.27 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। बता दें, अनुष्का-विराट का यह अलीबाग में दूसरा बड़ा निवेश है।

साल 2022 में कपल ने रियल एस्टेट डेवलपर समीरा हैबिटेट्स से दो अलग-अलग प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसमें 19.24 करोड़ रुपये में लगभग आठ एकड़ जमीन शामिल थी। उस जमीन पर विरुष्का ने एक आलीशान हॉलिडे होम बनाया है।

अर्चना पूरन सिंह के पति ने शराब पीने को लेकर उड़ाया बीवी का मजाक, काला नमक चावल की रेसिपी पूछने लगे लोग

अर्चना पूरन सिंह एक बार फिर अपने नए व्लॉग को लेकर आ चुकी हैं। और इस बार उनके पति ही उनका मजाक उड़ाते नजर आए, वो भी शराब पीने को लेकर। अर्चना ने कहा कि कपिल शर्मा ने उनका नाम खराब किया है। फिर लोगोंने उनसे काला नमक चावल की रेसिपी पूछी। अर्चना पूरन सिंह अपने यूट्यूब चैनल पर 'आप का परिवार' नाम से एक नया व्लॉग लेकर वापस आ गई हैं। इस बार उनका पूरा परिवार घर पर साथ समय बिता रहा है और वे अपने रूटीन को कैमरे में कैद कर रहे हैं।

व्लॉग के दौरान, अर्चना और उनके पति परमीत सेठी ने ब्रांड प्रमोशन और घर में कौन ज्यादा जगह घेरता है, जैसे मुद्दों पर मजेदार बातचीत की। डीडीएलजे एक्टर ने यह भी बताया कि एकता कपूर पर उनके खोए हुए अरमानी सूट के 2 लाख रुपये बकाया हैं। व्लॉग की शुरुआत में, सेठी परिवार ने एक साथ फुटबॉल मैच देखा, फिर वे अपने-अपने कामों में लग गए।

अर्चना एक ब्रांड के साथ मीटिंग में शामिल हुईं, जिसका वे प्रचार करती हैं, और उन्होंने कहा, 'मीटिंग अच्छी रही। मुझे ऐसे ब्रांड्स के साथ काम करना पसंद है जो मेरे वैल्यू से मेल खाते हों, जहां मुझे ऐसी कोई चीज न बेचनी पड़े जिस पर मुझे विश्वास न हो।' परमीत ने उनसे पूछा, 'तो, आप शराब नहीं बेचेंगी?' अर्चना ने जवाब दिया, 'आप शराब बेचेंगे। और आपके शरीर में जितनी शराब भरी है, आप उसे पूरे भारत में बेच सकते हैं। मेरे बारे में बात मत करो, मैं शराब नहीं पीती। मेरा नाम कपिल ने खराब किया है।'

संघ के शताब्दी वर्ष पर सेक्टर-04 में भव्य हिंदू सभा, पर्व जैसा माहौल, दिखी सामाजिक एकता की झलक

भिलाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर पूरे देश में आयोजित हो रही हिंदू सभाओं की श्रृंखला में सेक्टर-04 ए मार्केट स्थित सर्वेश्वर धाम मंदिर के सामने एक भव्य हिंदू सभा एवं सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल सभा तक सीमित न रहकर पर्व के रूप में मनाया गया, जिसमें समाज की सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिवारिक एकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता से हुई, जिसमें मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात क्षेत्र के वरिष्ठ गणों का सम्मान किया गया, जिससे समाज में संस्कार, अनुभव और परंपरा के प्रति सम्मान की भावना सुदृढ़ हुई। शाम होते-होते आयोजन भजन संध्या में परिवर्तित हो गया, जहां भक्तिमय गीतों और मंत्रोच्चार से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। इस हिंदू सभा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता दिलेश्वर उमरे, पंडित श्री आदित्य प्रसाद पाठक सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संघ के शताब्दी वर्ष को समाज के लिए आत्मचिंतन, संगठन और सेवा का संकल्प वर्ष बताते हुए अपने विचार रखे। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज को संगठित कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर है। वहीं बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने मातृशक्ति की भूमिका को समाज की आधारशिला बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में सेक्टर-04 के सभी वरिष्ठ गण, मातृशक्ति एवं स्थानीय नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आयोजन को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह देखने को मिला और लोगों ने इसे समाज को जोड़ने वाला, प्रेरणादायक और संस्कारों से परिपूर्ण आयोजन बताया। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित यह हिंदू सभा सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकजुटता और राष्ट्रीय भाव के संगम के रूप में यादगार बन गई।

गाजे-बाजे व आतिशबाजी के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

भिलाई नगर। सर्वजन कल्याणार्थ के उद्देश्य से किया गया श्रीमद्भागवत कथा सप्ताहे का आज से प्रारंभ.... सेक्टर 01 सड़क 11 गणेश पंडाल मैदान में 18 से 27 जनवरी तक सेक्टर वन सड़क 11 के मैदान में सार्वजनिक जनमानस कल्याणर्थ हेतु गुप्त नवरात्रि पर्व पर पंच कुंडीय महालक्ष्मी यज्ञ एवं सत्संग भागवत कथा का आयोजन 27 जनवरी तक चलेगी भागवत कथा

कथावाचक होंगे आचार्य पंडित विवेकानंद महाराज

श्रीम?द्भागवत कथा सप्ताह का आयोजन 19 जनवरी से 27 जनवरी तक दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक सेक्टर 1 सड़क 11 में गणेश पंडाल के पंडाल प्रांगण में आचार्य पंडित विवेकानंद जी महाराज द्वारा सर्वजन कल्याणार्थ के उद्देश्य से किया गया है। श्रीम?द्भागवत कथा सप्ताह की शुरुआत से पहले रविवार को कथा स्थल से से कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान लगभग 400 में अधिक महिलाएं सिर पर कलश लेकर शामिल रही।

श्रीमद भागवत कथा के प्रथम दिवस रविवार सायं: 03 बजे गाजे-बाजे व आतिशबाजी के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान सैकड़ों महिलाएं पीले व लाल वस्त्र धारण कर सिर पर कलश लेकर कथा स्थल से निकलकर सेक्टर 1 स्टेट बैंक के सामने से होते हुए भी मार्केट मंदिर परिसर से निकलकर सी मार्केट मंदिर के सामने से होते हुए एवेन्यू सी से होकर कथा स्थल पर समापन हुआ कथावाचक आचार्य पंडित विवेकानंद जी महाराज द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर यात्रा निकाली गयी इस अवसर पर डॉ पवन कुमार तिवारी, अधिवक्ता अशोक शर्मा, धीरेंद्र कुमार, दुर्गा प्रसाद तिवारी, निरंजन अग्रवाल, शीतल सिंह डिम्पी,हीरामणि सिंह, विजेंद्र सिंह, आशीष अग्रवाल, पीयूष जैन, कुबेरनाथ मिश्रा,सुरेंद्रनाथ मिश्रा, बसंत प्रधान, सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक इस कलश यात्रा में शामिल थे।

मगध तैलिक समाज के परिचय सम्मेलन में दिव्या भसीन की गरिमामयी उपस्थिति

स्व. विद्या रतन भसीन की स्मृति में समाज को समर्पित की गई मॉर्चरी फ्रीज़र

भिलाई। मगध तैलिक समाज द्वारा आयोजित युवा-युवती परिचय सम्मेलन में आज समाज के लिए एक भावनात्मक और प्रेरणादायी क्षण देखने को मिला। इस अवसर पर दीदी दिव्या भसीन को अतिथि के रूप में सम्मेलन में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष श्री महेश वर्मा सहित समाज के समस्त पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सम्मेलन के दौरान समाज के अध्यक्ष श्री राजकुमार साहू द्वारा कुछ समय पूर्व समाज हित में मॉर्चरी फ्रीज़र (मृतदेह संरक्षण यंत्र) की मांग रखी गई थी। इस मांग को आज पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ जनसेवक स्वर्गीय विद्या रतन भसीन जी की पुण्य स्मृति में पूर्ण करते हुए समाज को यह फ्रीज़र समर्पित किया गया।

इस अवसर पर दीदी दिव्या भसीन ने स्व. विद्या रतन भसीन जी के व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए कहा कि वे एक सच्चे जनसेवक थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जनता की सेवा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों के लिए समर्पित कर दिया। उनका जीवन सादगी, संवेदनशीलता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का प्रतीक रहा है।

समाजजनों ने इस सेवा कार्य को स्व. विद्या रतन भसीन जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए कहा कि यह मॉर्चरी फ्रीज़र समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी और जरूरत के समय परिवारों को बड़ी राहत प्रदान करेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित समाज के वरिष्ठजनों और युवाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाजहित में एक अनुकरणीय कदम बताया। परिचय सम्मेलन के साथ-साथ यह अवसर समाज की एकजुटता और सेवा भावना को भी मजबूती देने वाला साबित हुआ।

ओपन थिएटर में छत्तीसगढ़ देसी अंदाज को मिली सराहना

कोरबा। शहर के ओपन थिएटर में आज देसी स्वाद और लोक-संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिला। विभिन्न सामाजिक परिप्रेक्ष्य को सामने रखते हुए माई -जी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों की महक ने आते ही लोगों को अपनी ओर खींच लिया। देसी पकवानों का स्वाद चखते ही हर चेहरा खिल उठा और लोग छत्तीसगढ़ी स्वाद की सराहना करते नजर आए।

विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्व त्यौहार के दौरान बनाए जाने वाले पारंपरिक व्यंजन यहां पर महिला समूह के द्वारा प्रस्तुत किए गए। इनके स्वाद को लेकर लोगों में अजीब दीवानगी दिखी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय खेलों से जुड़ी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं,।

सुपेला संडे बाजार खाली, सड़कें खुलीं, अब लिंक रोड बना 'अतिक्रमण का गढ़'!

गदा चौक से घड़ी चौक तक सफल कार्रवाई, लेकिन सुभाष चौक-नंदिनी रोड अब भी जाम का फसाद

दुर्ग/भिलाई। रविवार को सुपेला संडे बाजार में नगर निगम और पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद पूरा मार्ग खाली मिला। गदा चौक से घड़ी चौक तक स्थित सभी अतिक्रमण और दुकानों का पसरा हटाया गया, जिससे सड़कें पूरी तरह खुली नजर आईं। इस दौरान व्यापारियों का भी अपेक्षाकृत अच्छा सहयोग देखने को मिला, जिसके चलते कार्रवाई शांतिपूर्ण और प्रभावी रही।

सुपेला मुख्य मार्ग होने के कारण पूरे शहर की निगाहें इस सड़क पर रहती हैं। अतिक्रमण और सड़क तक फैला पसरा न केवल ट्रैफिक जाम बल्कि दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों को भी खुला निमंत्रण देता है। कार्रवाई के बाद यह साफ हो गया कि यदि प्रशासन ठान ले तो व्यवस्था सुधर सकती है।

लेकिन सवाल यहीं खत्म नहीं होता

पावर हाउस: जहां नियम सिर्फ कागजों में हैं ठीक ऐसी ही स्थिति भिलाई के पावर हाउस लिंक रोड की है—

सुभाष चौक से लिंक रोड होते हुए नंदिनी रोड तक का रास्ता, जो फल मंडी से भी जुड़ता है, आज खुद जाम की पहचान बन चुका है। हालात इतने बदतर हैं कि यह रास्ता दिखता ही नहीं, सिर्फभीड़, ठेले, दुकानें और अवैध कब्जे नजर आते हैं।

इस मार्ग पर भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री घोषित है, लेकिन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बड़े वाहन, अव्यवस्थित व्यापार और सड़क पर पसरा सामान— नतीजा यह कि लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं, एम्बुलेंस और जरूरी सेवाओं का निकलना तक मुश्किल हो जाता है।

नगर निगम-यातायात विभाग से सीधा सवाल

सुपेला में कार्रवाई हो सकती है तो लिंक रोड पर चुप्पी क्यों? क्या नियम सिर्फचुनिंदा इलाकों के लिए हैं? क्या सुभाष चौकङ्गनंदिनी रोड के लोग जाम में घुटते रहने को मजबूर हैं?

प्रशासन से मांग

नगर निगम और यातायात विभाग को अब लिंक रोड को भी प्राथमिकता में लेकर अतिक्रमण हटाने नो-एंट्री नियम सख्ती से लागू करने और रोज़ाना निगरानी व्यवस्था बनाने की जरूरत है।

सुपेला की तरह लिंक रोड भी खुले—यही शहर की असली जरूरत है। वरना यह साफहै: नियम टूटेंगे, जाम बढ़ेगा और जिम्मेदारी फिर सिस्टम पर ही आएगी।

संघ के शताब्दी वर्ष पर सेक्टर-04 में भव्य हिंदू सभा, पर्व जैसा माहौल

दिखी सामाजिक एकता की झलक

भिलाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर पूरे देश में आयोजित हो रही हिंदू सभाओं की श्रृंखला में सेक्टर-04 ए मार्केट स्थित सर्वेश्वर धाम मंदिर के सामने एक भव्य हिंदू सभा एवं सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल सभा तक सीमित न रहकर पर्व के रूप में मनाया गया, जिसमें समाज की सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिवारिक एकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता से हुई, जिसमें मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात क्षेत्र के वरिष्ठ गणों का सम्मान किया गया, जिससे समाज में संस्कार, अनुभव और परंपरा के प्रति सम्मान की भावना सुदृढ़ हुई। शाम होते-होते आयोजन भजन संध्या में परिवर्तित हो गया, जहां भक्तिमय गीतों और मंत्रोच्चार से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया।

इस हिंदू सभा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता दिलेश्वर उमरे, पंडित श्री आदित्य प्रसाद पाठक सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संघ के शताब्दी वर्ष को समाज के लिए आत्मचिंतन, संगठन और सेवा का संकल्प वर्ष बताते हुए अपने विचार रखे।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज को संगठित कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर है। वहीं बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने मातृशक्ति की भूमिका को समाज की आधारशिला बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में सेक्टर-04 के सभी वरिष्ठ गण, मातृशक्ति एवं स्थानीय नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

पार्श्व तीर्थ -नगपुरा में प्रतिष्ठा की 31वीं वर्षगांठ पर उत्सव का आयोजन

दुर्ग (नई दृष्टिबिंदु)। तपोभूमि श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में माघ सुदी षष्ठमी दिनांक 24 जनवरी को तीर्थ प्रतिष्ठा की 31 वीं सालगिरह वर्षगांठ- ध्वजारोहण उत्सव आयोजित है! उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में एक मात्र प्राचीन तीर्थ नगपुरा में स्थित है। नगपुरा ऐतिहासिक एवं पुरातत्विक संदर्भों का स्थल है। यहाँ 23 वें तीर्थकर श्री पार्श्वनाथ प्रभु की प्राचीन-अद्वितीय प्रतिमा प्रतिष्ठित है। यह तीर्थ स्थल के रूप में विश्व विख्यात है। यहाँ देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं का आगमन होता है। तीर्थ के अध्यक्ष गजराज पगारिया ने बतलाया कि आज से 31 वर्ष पूर्व दिनाँक 5 फरवरी 1995 माघ सुदी छठ को प्रख्यात जैनाचार्य श्री लब्धि-विक्रम गुरुकृपा प्राप्त, गच्छाधिपति प0 पू0 आचार्य श्रीमद् विजय राजयश सूरीश्वरजी म0 सा0 के वरद हस्ते इस तीर्थ की प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी। तत्कालिन मैनेजिंग ट्रस्टी, तीर्थ के संस्थापक स्व. श्री रावलमल जैन' मणि' , के नेतृत्व में देशभर के असंख्य श्रद्धालुओं के समर्पण,श्रद्धा और आस्था के साथ विशाल साधु-साध्वीवृंद, जनसमुदाय की गरिमामयी उपस्थिति में ऐतिहासिक प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी। प0पू0 आचार्य भगवंत श्रीमद्? विजय राजयश सूरीश्वरजी म0 सा0 की आज्ञानुवर्तिनी महान शासन सेविका, प्रवर्तिनी प0पू0 साध्वी वाचंयमा श्री जी (बेन) म0सा0 की प्रशिष्या तपस्विनी साध्वी श्री लक्ष्ययशा श्रीजी, साध्वी श्री लब्धियशाश्रीजी, साध्वी श्री आज्ञायशा श्रीजी म0 सा0की मंगलकारी निश्रा में तीर्थ संकुल के मंदिरावली में एक साथ 56 शिखरों पर ध्वजारोहण होगा। इस अवसर पर तीर्थपति के ध्वजारोहण लाभार्थी उगमदेवी मांगीलाल पगारिया , दुर्गा देवी गजराज पगारिया परिवार रायपुर सहित स्वरूपाबेन अमरचंद मेहता नागपुर, नीलाबेन कीर्तिकुमार वोरा मुम्बई, हंसालक्ष्मी ललितकुमार मेहता कटक, फतेहचंद राणावत, नवीनभाई कांतिलाल शाह मुम्बई ,मोहनलाल गुलाबचंद लूँकड़ चेन्नई, हर्षदभाई कालिदास शाह कलकत्ता, पुखराज मांगीलाल दुगड़ परिवार सहित शिल्पा अभय बांठिया नागपूर, भरतभाई ओसवाल अहमदाबाई, आलाप गांधी, मुम्बई रुपेश देसाई मुम्बई , भीखमचंद कोठारी, मूलचंद जैन, पन्नालाल गोलछा, पुखराज मुणोत, विजय चोपड़ा, सुरेश बाघमार, राजेन्द्र गोलछा आदि परिवार उपस्थित रहेगें।

ध्वजारोहण उत्सव दिवस की नवकारशी, श्री गौतम प्रसादी की व्यवस्था का लाभ विधिवेता श्री के.एल शाह परिवार के श्रीमती सरलाबेन किशोरभाई शाह सुपुत्र धर्मेश, जयेश, प्रवेश शाह दुर्ग-रायपुर द्वारा लिया गया है। प्रात: 9 बजे से सत्तरभेदी महापूजन के साथ ध्वजारोहण का विधान प्रारंभ होगा। विधिकारक प्रवीण जैन (पिंटू) रुणजा द्वारा विधिविधान कराया जावेगा। कलकत्ता के संगीतकार किशोरभाई चौरडिया, खेमलाल श्रीवास, रोमनाथ निषाद संगीत रचना करेगें।

संक्षिप्त-खबर

बालोद जिले की बेटी लक्ष्मी साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखे विचार

बालोद (मोरज देशमुख)। बालोद जिले के ग्राम मटिया अर्जन्दा की होनहार बेटी लक्ष्मी साहू, पिता श्री डालेश्वर प्रसाद साहू, ने प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष परंपरा के साथ नवाचार: एक आधुनिक भारत का निर्माण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। लक्ष्मी साहू का चयन **My Bharat Portal** के माध्यम से आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक पार करने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर पीपीटी प्रेजेंटेशन हेतु हुआ। इस उपलब्धि के अंतर्गत उन्हें दिल्ली जाकर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

प्रेजेंटेशन के दौरान लक्ष्मी साहू ने गांवों में आज भी जीवित भारतीय परंपराओं, संस्कृति, कृषि, लोककलाओं एवं सामाजिक मूल्यों को आधुनिक तकनीक, शिक्षा और नवाचार से जोड़ते हुए भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि यदि गांवों की जड़ों को मजबूत करते हुए आधुनिक सोच अपनाई जाए, तो आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना साकार किया जा सकता है। उनके विचारों को मंच पर उपस्थित विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा सराहा गया।

लक्ष्मी साहू की इस उपलब्धि से ग्राम मटिया अर्जन्दा, बालोद जिला एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों, शिक्षकों और परिजनों ने उनकी सफलता को आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया है।

अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग शहर के मोहन नगर पुलिस थाना की टीम ने उड़ीसा निवासी 01 आरोपी के कब्जे से 3.160 किलोग्राम गांजा जप्त किया है। जप्त मशरूका की कीमत लगभग ?1.58 लाख हैं। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया हैं। विजय अग्रवाल, भा.पु.से., वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देशन में, मणिशंकर चन्द्रा , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं हर्षित मेहर, भा.पु.से., नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग के नेतृत्व में दुर्ग पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 18.01.2026 को थाना मोहन नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि अंडरब्रिज के पास, बाके कबाड़ी दुकान के सामने, थाना मोहन नगर क्षेत्र में एक व्यक्ति नीले रंग के पिट्ठू बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना की तस्दीक उपरांत निरीक्षक केशवराम कोसले, थाना प्रभारी मोहन नगर, हमराह स्टाफ एवं स्वतंत्र गवाहों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। दिनांक 18.01.2026 को 13:04 बजे समक्ष गवाहों के विधिवत जप्ती की गई। आरोपी का कृत्य धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पाए जाने पर उसे धारा 51(1) एनडीपीएस एक्ट के तहत नोटिस देकर दिनांक 18.01.2026 को 13:30 बजे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक केशवराम कोसले एवं थाना मोहन नगर पुलिस स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही है। दुर्ग पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

उत्तई मेलामें धारदार हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग पुलिस द्वारा ऑपरेशन विश्वास के तहत जिले में असामाजिक तत्वों एवं अवैध हथियार लेकर घूमने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 16.01.2026 से 18.01.2026 तक थाना उतई क्षेत्र अंतर्गत दशहरा मैदान ग्राउंड में आयोजित मेला/मंडई को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु व्यापक पुलिस बल की तैनाती की गई थी। रविवार को मेला परिसर में एक उपद्रवी एवं शरारती किस्म का व्यक्ति, अपने पास रखे लोहे के धारदार चापड़ को लहराते हुए आम नागरिकों को डरा-धमका रहा था, जिससे मेला में आए लोग भयभीत एवं सहमे हुए थे।

रूसे के प्रतिष्ठि नागरिक अलख चंद्रवंशी नहीं रहे

कवर्धा। हरिभूमि पत्र समूह रायपुर में कार्यरत प्रदीप चंद्रवंशी के पिता अलख राम चंद्रवंशी का 94 वर्ष की उम्र में रविवार को देवलोकगमन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह जिला कवर्धा के रुसे गांव में किया गया। सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु और खबर आलोक समूह की ओर से स्वर्गीय अलख राम चंद्रवंशी को विनम्र श्रद्धांजलि दी गई है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवाकर 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला भिलाई, दुर्ग, (छग)-490023 से प्रकाशित। संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।